राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार, 09मई2020 वर्ष–2, अंक–66 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मूल प्रदेश सरकार से रिस्पांस न मिलने पर प्रवासी मजदूरों की ट्रेन यात्रा का खर्च उठाएगी दिल्ली सरकार

– केंद्र सरकार के नियमानुसार प्रवासी जिस प्रदेश के रहने वाले हैं, उस सरकार को ट्रेन यात्रा का खर्च उठाना

– दिल्ली सरकार ने ट्रेन के जरिए बिहार के रहने वाले 1200 लोगों को भेजा घर– गोपाल राय

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने लॉक डाउन की वजह से फंसे प्रवासी मजदूरों को मूल निवास स्थान की प्रदेश सरकार की ओर से वापस ले जाने के लिए कोई रिस्पांस न मिलने पर उनके ट्रेन यात्रा का खर्च उठाने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार ने अपने मूल प्रदेश जाने के इच्छुक प्रवासियों की सूचना सभी प्रदेशों को दे दी है। अभी तक कई राज्यों की तरफ से कोई जवाब नहीं आने पर सरकार ने यह फैसला किया गया है। जिसके बाद लॉकडाउन में फंसे बिहार के लगभग 1200 श्रमिकों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से लेकर ट्रेन मुजफ्फरपुर, बिहार लिए रवाना हो गई। ट्रेन में लोगों को बैठाने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखा गया है और उनके लिए रास्ते में भोजन व पानी आदि व्यवस्था भी की गई है। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने ट्वीट कर कहा कि श्रमिकों को लेकर दिल्ली से मुजफ्फरपुर, बिहार के लिए ट्रेन रवाना हो गई। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार ने ट्रेन में सवार सभी 1200 लोगों का किराया दिया।

दिल्ली में देश कई राज्यों से आकर लोग अपनी रोजी–रोटी करते हैं। लॉकडाउन की वजह से यह लोग दिल्ली में फंसे हुए हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अपने मूल प्रदेश जाना चाहते हैं। केंद्र सरकार के नियमानुसार, प्रवासी जिस प्रदेश के रहने वाले हैं, उस राज्य सरकार को ट्रेन यात्रा का खर्च उठाना है। दिल्ली सरकार ने घर जाने के इच्छुक प्रवासियों की सूची तैयार करके संबंधित राज्यों को अवगत भी करा दिया है। अभी तक कई राज्यों ने कोई जवाब नहीं दिया है कि वे घर लौटने के इच्छुक प्रवासियों के ट्रेन यात्रा का खर्च उठाएंगे या नहीं। इस पर दिल्ली सरकार ने फैसला किया है कि जिन राज्यों की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है और प्रवासी अपने मूल प्रदेश जाना चाहते हैं, तो उनके ट्रेन यात्रा का खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी।

वहीं, केंद्र सरकार से तीसरे लॉकडाउन में मिली ढील के बाद दिल्ली सरकार अपने मूल प्रदेश जाने के लिए इच्छुक प्रवासियों को ट्रेन के जरिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले चरण में सरकार ने रैन बसेरों में रह रहे प्रवासियों को घर भेज रही है। शुक्रवार को दिल्ली सरकार ने बिहार के रहने वाले करीब 1200 प्रवासियों को नई दिल्ली रेलवे जंक्शन से रवाना किया है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बिहार के लिए दोपहर 3:00 बजे ट्रेन रवाना हुई। इससे पहले दिल्ली के अलग–अलग स्थानों पर स्थित रैन बसेरों में रहने वाले प्रवासियों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए सरकार की तरफ से पुख्ता और सुरक्षित इंतजाम किए गए थे। रैन बसेरों में रहने वाले प्रवासियों को रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए बसों का इंतजाम किया गया। सभी प्रवासियों का कल (07 मई) को मेडिकल और स्क्रीनिंग कराया गया था। इसके लिए डॉक्टरों की टीमें लगाई गई थीं। सभी प्रवासियों का अच्छी तरह से स्क्रीनिंग करने के बाद उन्हें मेडिकल सर्टिफिकेट दिया गया। दिल्ली सरकार की तरफ से प्रत्येक व्यक्ति को रास्ते में दो बार खाने का इंतजाम किया गया। इससे पहले दोपहर में सभी लोगों को लंच कराया गया। दो बार खाने के लिए सभी लोगों को खाने के पैकेट दिए गए। साथ ही उन्हें बिस्किट व केला समेत ड्राई फ्रूट्स भी दिए गए। प्रत्येक व्यक्ति को रास्ते के लिए पानी की दो बोतल भी दी गई है।

– बसों के जरिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचाए गए प्रवासी

रैन बसेरों से प्रवासियों को रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई थी। बसों में बैठाने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया। एक बस में लगभग 12 लोगों को लेकर स्टेशन तक पहुंचाया गया।

इस कार्य में सीविल डिफेंस के लोगों ने भी मदद की। सभी लोगों को पहले रैन बसेरे से निकाल कर पार्किंग एरिया ले जाया गया, जहां से सभी को अलग कर के बस में बैठाया गया। सभी प्रवासियों के टिकट का इंतजाम दिल्ली सरकार की तरफ से पहले ही कर दिया गया था। बसों में बैठने से पहले भी एक–एक व्यक्ति का ऐतिहात के तौर पर दोबारा थर्मल स्कैनर के जरिए स्क्रीनिंग की गई, ताकि किसी के शरीर का तापमान अधिक हो, तो उसे रोक कर आइसोलेट किया जा सके। जिससे कि कोरोना का फैलाव न हो सके।

– सोशल डिस्टेंसिंग के लिए किए गए थे विशेष इंतजाम

बसों में बैठाने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का खास ख्याल रखा गया। लोगों को बसों में चढ़ने से पहले एक मीटर से अधिक की दूरी बना कर खड़ा किया गया। सभी लोगों को बताया भी गया कि सोशल डिस्टेंसिंग का रास्ते में भी पालन करना है। सभी को हमेशा सुरक्षात्मक रहना है। खास कर जब भी आप कुछ छूते हैं, तो उसके बाद साबुन से हाथ धोना है। इसके अलावा सभी को मुंह ढंक कर रखने का निर्देश दिया गया। सभी को मास्क भी उपलब्ध कराए गए है।

रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के दौरान दिल्ली सरकार ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए प्रत्येक बस में एक वालेंटियर को तैनात किया था, ताकि सभी को सुरक्षित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया जा सके।

रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के बाद सभी लोगों को मेडिकल सर्टिफिकेट और टिकट दिए गए। ट्रेन रवाना होने पर प्रवासियों के चेहरे पर खुशी, मुस्कुराहट और संतोष साफ तौर पर दिख रहा था।

कोरोना वायरस संक्रमण 60 हजार के करीब पहुंचा, 11 राज्यों में 93% से अधिक संक्रमित

नई दिल्ली कोरोना वायरस संक्रमण अब तेजी से कुछ बड़े राज्यों में फैल रहा है। शुक्रवार रात 10 बजे तक इस बीमारी से जो 59 हज़ार 203 मरीज संक्रमित हुए हैं उनमें से 11 राज्यों में ही 55,326 मरीज हैं जिन्हें कोरोनावायरस का संक्रमण हुआ है। इस प्रकार इन राज्यों में देश के 93.67: का. रोना संक्रमित मरीज पाए गए हैं। यह राज्य हैं महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना। इनमें से महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और दिल्ली में 38,455 कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं जो कि देश की कुल संख्या का 65: है। अकेले महाराष्ट्र में 19,063 मरीज अब तक मिले हैं।

ट्रेंड देखने पर पता चलता है कि कोरोना वायरस मुख्यतः औद्योगिक शहरों में तेजी से फैल रहा है। मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई, दिल्ली, जयपुर, इंदौर जैसे महानगरों में शुक्रवार तक कोरोनावायरस संक्रमण के कुल 28,544 मामले सामने आए जो कि देश के कुल मामलों के 48.33 प्रतिशत हैं। मायानगरी मुंबई में ही 11,394 कोरोनावायरस संक्रमित मरीज मिले हैं।

इससे यह साफ पता चलता है कि कोरोना वायरस के संक्रमण देश के महानगरों में तेजी से फैल रहा है, लेकिन छोटे क्षेत्र इससे बचे हुए हैं। हालांकि बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद, चंडीगढ़ जैसे महानगरों में वायरस का संक्रमण कम है।

वहीं अनेक राज्य ऐसे हैं जिनमें अब नए मरीज मिलने की संख्या दहाई तक पहुंच चुकी है। मध्यप्रदेश जैसे राज्य में पिछले 3 दिन के दौरान अधिक पीड़ित नहीं मिले हालांकि संख्या अभी भी ज्यादा है। केरल जैसे राज्यों में संक्रमण के मामले लगभग स्थिर हैं। बिहार जैसे बड़े राज्यों में संक्रमण 1000 के भीतर ही है। किंतु जम्मू–कश्मीर जैसे केंद्र शासित

प्रदेशों में लगातार संक्रमित मिलने से संक्रमण का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड जैसे छोटे राज्यों ने कोरोनावायरस पर काबू पाने में बहुत हद तक सफलता पा ली है। असम सहित अनेक पूर्वोत्तर के राज्यों में और हिमाचल प्रदेश जैसे हिमालयी राज्यों में कोरोनावायरस के संक्रमण इतना भयानक नहीं है। जबकि इन राज्यों की जलवायु अपेक्षाकृत शीतल है। कोरोनावायरस के प्रसार की दृष्टि से मई माह खतरनाक साबित हुआ है। इस माह की शुरुआत के 8 दिन के भीतर ही लगभग 24,000 के करीब नए संक्रमित सामने आए हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि भीषण गर्मी और कोरोना के प्रसार में कोई रिश्ता नहीं है। जो लोग यह अनुमान लगा रहे थे कि गर्मी के दिन में इस वायरस का प्रसार कम हो जाएगा वह गलत साबित हुए हैं।

बाबरी विध्वंस केसः 31 अगस्त तक सुनवाई पूरी करने के निर्देश

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अयोध्या में 1992 राम जन्म भूमि–बाबरी मस्जिद विवादित ढांचा गिराए जाने की घटना से संबंधित मुकदमे की सुनवाई पूरी करने के लिए विशेष अदालत का कार्यकाल तीन महीने बढ़ा दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में 31 अगस्त तक फैसला सुनाया जाना चाहिए। इस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती सहित कई वरिष्ठ नेता आरोपी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश एस के यादव से कहा कि वे अदालत की कार्यवाही को कानून के अनुसार नियंत्रित करें ताकि इसकी सुनवाई निर्धारित समय के भीतर पूरी की जा सके।

न्यायमूर्ति आर एफ नरिमन और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की पीठ ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस मामले की सुनवाई करते हुए विशेष अदालत में चल रहे मुकदमे की कार्यवाही पूरी करने के लिये नयी समय सीमा निर्धारित की। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने विशेष न्यायाध ीश से कहा कि वह साक्ष्य कलमबंद करने और मुकदमे की सुनवाई के दौरान दायर आवेदनों पर सुनवाई पूरी करने के लिए वीडियो कांफ्रेन्स सुविधा का उपयोग करें। पीठ ने इस मुकदमे की सुनवाई का काम पूरा करने के लिये समय सीमा में विस्तार के बारे में विशेष न्यायाधीश यादव से मिले पत्र पर यह आदेश दिया। पीठ ने कहा, छह मई, 2020 के पत्र को ध्यान में रखते हुए हम साक्ष्य पूरे करने और फैसला सुनाने की अवधि 31 अगस्त, 2020 तक बढ़ाते हैं। हम इस तथ्य के प्रति सजग हैं कि न्यायाधीश एस के यादव इस मुकदमे को अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, मूल समय सीमा और अब विस्तारित समय सीमा के मद्देनजर 31 अगस्तख् 2020 तक कार्यवाही पूरी करके फैसला सुनाने के प्रयास होने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पिछले साल 9 जुलाई को विशेष न्यायालय से कहा था कि वह नौ महीने के भीतर मुकदमे की कार्यवाही पूरी करके अप्रैल के अंत तक अपना फैसला सुनायें। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि 9 महीने बीत जाने के बाद न्यायाधीश एस के यादव के छह मई, 2020 के पत्र के अवलोकन से पता चलता है कि अभी साक्ष्य दर्ज करने का काम भी पूरा नहीं हुआ है। हम कहना चाहतें है कि वीडियो कांफ्रेन्सिग सुविधा उपलब्ध है और यादव को सारे साक्ष्य दर्ज करने तथा इस सबंध में दायर आवेदनों पर सुनवाई पूरी करने के लिए इसका इस्तेमाल करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने नौ जुलाई के अपने आदेश में विशेष न्यायाधीश यादव का कार्यकाल भी इस मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक की अवधि के लिए बढ़ा दिया था। इस मामले में आडवाणी, जोशी और उमा भारती के साथ ही राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह, पूर्व सांसद विनय कटियर और साध्वी ऋतंबरा के खिलाफ विवादित ढांचा गिराने की साजिश में शामिल होने का आरोप उच्चतम न्यायालय ने 19 अप्रैल, 2017 के आदेश में बहाल कर दिया था। इस मामले के आरोपियों में से विहिप नेता अशोक सिंघल, विष्णु हरि डालमिया की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो जाने की वजह से उनके खिलाफ कार्यवाही खत्म कर दी गई।

पंजाब में भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

अमृतसर । भारतीय वायुसेना का एक लड़ाकू विमान पंजाब में शुक्रवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हालांकि यह जानकारी इस दु एसबीएस नगर के पुलिस अधीक्षक वजीर सिंह खैहरा का कहना कि

शहीद भगत सिंह नगर के चुरापुर गांव के खेतों में शुक्रवार को वायुसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सीनियर एसपी अलका मीणा का कहना है कि, 'हमें सुबह 10:30 बजे हादसे के बारे में पता चला।' वहीं, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले पायलट ने विमान से खुद को सुरक्षित इजेक्ट कर लिया था। इससे पहले फरवरी माह में भी पंजाब के पटियाला छावनी क्षेत्र में एयरफोर्स का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में वायुसेना के एक पायलट की मौत हो गई थी। वहीं, एक एनसीसी कैडेट घायल हो गया।

एयरफोर्स प्रवक्ता ने बताया था कि पटियाला विमानन क्लब के हवाईअड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद 'पिपिस्ट्रेल वायरस एसडब्ल्यू 80' जो कि एक प्रशिक्षण विमान है, दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में ग्रुप कैप्टन जीएस चीमा की मौत हो गई। उन्होंने कहा था कि ग्रुप कैप्टन चीमा एक एनसीसी इकाई में प्रतिनियुक्ति पर थे। वह एयरफोर्स स्टेशन में एनसीसी के थर्ड इयर स्क्वाड्रन के कैडेट को प्रशिक्षण दे रहे थे।

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों का आकंड़ा 19 हजार के पार

मुंबई कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में इसके संक्रमितों का आकंड़ा 19 हजार के पार पहुंच गया है। शुक्रवार को महाराष्ट्र में कोरोना के 1089 नए मामले सामने आए। इस प्रकार संक्रमितों का कुल आंकड़ा 19063 पहुंच गया।

राज्य में शुक्रवार को इस वायरस के संक्रमण से शुक्रवार को 37 लोगों की मौत हो गई जिसके बाद यहां मरनेवालों की संख्या 731 हो गई है। अगर मुंबई की बात करें तो शुक्रवार को अकेले यहीं 748 नए मामले सामने आए और 25 लोगों की मौत हो गई। शहर में कोरोना संक्रमितों का आकंड़ा अब 12142 हो गया है।

वहीं मुंबई के धारावी झुग्गी बस्ती में शुक्रवार को कोरोनावायरस संक्रमण के 25 नए मामले सामने आए हैं, जिससे इस क्षेत्र में संक्रमितों की संख्या 808 तक पहुंच गयी। धारावी में बीते दिनों 5 और लोगों की मौत कोरोना संक्रमण से हो गई। इसके साथ ही यहां मृतकों की संख्या 26 हो गई है। यहाँ कोरोना का फैलाव चिंता में डालने वाला है। यदि यही स्थिति रही तो मुम्बई शहर की इस बस्ती में संक्रमण की संख्या हजारों में पहुंच सकती है। यहाँ की जनसंख्या के घनत्व को देखते हुए सरकार इस इलाके में संक्रमण से ज्यादा चिंतित है।

कोरोना संक्रमण से भारतीय मूल के चिकित्सक पिता–पुत्री की मौत

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के न्यू जर्सी में भारतीय मूल के एक पिता–पुत्री की मौत कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से हो गई। दोनों ही पेशे से डॉक्टर थे। गवर्नर फिल मर्फी ने उनकी मौत पर दुख जताते हुए कहा कि दोनों ने ही अपना जीवन लोगों की सेवा में बिताया।

न्यू जर्सी के 78 वर्षीय सत्येंद्र देव खन्ना एक सर्जन होने के साथ ही साथ कई अस्पतालों में सर्जरी प्रमुख के तौर पर भी सेवा दे चुके हैं। वहीं उनकी 43 वर्षीय बेटी प्रिया खन्ना आंतरिक चि. कित्सा और नेफ्रोलॉजी की विशेषज्ञ थी। वह यूनियन हॉस्पिटल में चीफ ऑफ रेजीडेंट्स थीं जो कि अब आरडब्ल्यूजे बार्नाबास हेल्थ का हिस्सा है। न्यू जर्सी के गवर्नर ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया डॉक्टर सत्येंद्र देव खन्ना और डॉ प्रिया खन्ना पिता–पुत्री थे। दोनों ने ही अपना जीवन दूसरों की मदद करते हुए बिताया।

यह एक ऐसा परिवार था जो स्वास्थ्य और उपचार क्षेत्र के प्रति समर्पित था। हमारे शब्द हमारी संवेदनाओं को प्रकट नहीं कर सकते हैं। दोनों की मौत क्लारा मास मेडिकल सेंटर में हो गई। डा. सत्येन्द्र की पत्नी कमलेश खन्ना भी बाल रोग चि. कित्सक हैं। उनकी दो और बेटियां, सुगंधा खन्ना फिजिशियन है और अनीशा खन्ना अपनी मां की तरह ही बाल रोग विशेषज्ञ हैं।

कोरोना संकट के बीच एक ओर रहस्यमय बीमारी ने दी यूरोप–अमेरिका में दस्तक

लंदन (ईएमएस)। दुनिया अभी कोरोना के कहर से उबर नहीं पाई है, लेकिन इसी तरह की एक रहस्यमय बीमारी ने कई देशों में दस्तक दे दी है। अमेरिका और यूरोप के कई देशों में इसके मामले सामने आए हैं। ब्रिटेन में इस बीमारी से एक बच्चे की मौत भी हो गई है।बीमारी को पीडिएट्रिक मल्टी–सिस्टम इनफ्लेमेट्री सिंड्रोम नाम दिया गया है। इस कोविड–19 से जोड़कर देखा जा रहा है। ब्रिटेन में कम से कम 64 बच्चे और किशोर इस बीमारी से जूझ रहे हैं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे बच्चों में कई दिनों तक तेज बुखार रहता है। पेट में दर्द होने के साथ बार–बार उल्टी आती है।

प्रोफेसर जेन न्यूबर्गर का कहना है कि इसके अभी तक बहुत कम मामले आए हैं लेकिन संख्या लगातार बढ़ रही है। डॉक्टर और वैज्ञानिक अभी इसकी तह में जाने की कोशिश कर रहे हैं।

यह पता नहीं चल पा रहा है कि यह कुछ ही बच्चों को क्यों निशाना बना रही है। डॉक्टरों ने कहा कि अगर बच्चा बीमार दिखता है,तब आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

कुछ मरीज बहुत गंभीर स्थिति में लाए गए हैं जिनमें लो ब्लड प्रेशर और तेज बुखार की शिकायत थी। कुछ ऐसे भी हैं जिनके कोरोनरी आर्टरी की समस्या है। कुछ मरीजों में टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम जैसे लक्षण देखने को मिले हैं।

उन्हें पेट दर्द, उल्टी और डायरिया की शिकायत है। उनके शरीर और सीने में भारी जलन है। मरीजों को इमुनोग्लोबिन दिया जा रहा है जिससे इम्यून सिस्टम में जलन कम करने में मदद मिलती है। साथ ही उन्हें स्टेरॉइड और साइटोकाइन ब्लॉकर्स भी दिया जा रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फ़िर एक और भोपाल गैस त्रासदी ?

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्नम में एलजी पॉलिमर्स कम्पनी में गैस रिसाव के चलते एक मासूम बच्चे समेत अभी तक कुल नौ लोगों की मौत हो चुकी है। 300 से अधिक लोग अस्पताल इलाज के लिए भर्ती हैं। 80 से अधिक लोग जिंदगी और मौत के बीच वेंटीलेटर पर हैं। 1500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया है। इस घटना ने 36 साल पुरानी भोपाल गैस त्रासदी की याद फ़िर एक बार ताज़ा कर दिया है।

भोपाल में 03 दिसम्बर 1984 को अमेरिकी कम्पनी यूनियन कार्बाइट से जहरीली

गैस लीक होने से 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोग साँस और दूसरी शारीरिक बीमारियों से ग्रसित हुए थे। काफी संख्या में लोग अंधे और विस्थापित हो गए थे। इतने सालों बाद भी पीडितों को आज तक न्याय नहीं मिल पाया।

विशाखापट्टनम की यहाँ त्रासदी कितनी भयानक है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तीन से पांच किलोमीटर के क्षेत्र को खाली करा दिया गया है। यह हादसा इसलिए और भी घातक हो गया कि लोग रात में गहरी नींद में थे। जिसकी वजह से जहरीली गैस उनकी सांसो के ज़रिए फेफड़ों तक पहुँच गईं और लोगों की दमघुटने से मौत हो गईं। मीडिया में जो ख़बरें आई हैं उसके अनुसार कई मजदूर कम्पनी में थे। अगर ऐसा है तो उनकी भी मौत हो सकती है। शहर में लोगों के दरवाज़े तोड़ कर पुलिस जांच कर रही है क्योंकि मरने वालों की संख्या अधिक हो सकती है। पांच किमी इलाके में लोगों को गैस रिसाव के चलते सांस लेने की दिक्कत है। इस दौरान पूरे देश में लॉकडाउन है। विशाखापट्नम ओरेंज जोन में है। जाहिर सी बात है कि अस्पताल पहले ही कोरोना युद्ध से लड़ रहे हैं। लोगों को सामाजिक दूरी बनानी होगी, उस स्थिति में इस तरह की समस्या अपने आप में बड़ी चुनौती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी ने इस घटना पर गहरा दुःख जताया है। केंद्र सरकार पूरी घटना और राहत पर नज़र बनाए है।

मुख्यमंत्री जगमोहन रेड्डी किंग जॉर्ज अस्पताल में पीड़ितों को देखने भी गए हैं। पूरे मामले पर खुद नज़र रखे हुए हैं और जिला में मौजूद सभी अधिकारियों को लोगों की जान बचाने के लिए तत्काल सभी संभव कदम उठाने को कहा है। लेकिन सबसे अहम सवाल है कि इस तरह की त्रासदी हुई कैसे ? निश्चित रुप से यह कम्पनी प्रबंधन की सबसे बड़ी लापरवाही है। क्योंकि कम्पनी लॉकडाउन से 40 दिन से बंद थी तो काम संचालन के पूर्व पूरे प्लाण्ट की अच्छी तरह जांच और निगरानी क्यों नहीं की गई। रात के तीन बजे कम्पनी खोलने की क्या ज़रूरत थी। दिन में उसे क्यों नहीं खोला गया।

यह जिम्मेदारी उस स्थिति में और जवाबदेह बन जाती है जब प्लाण्ट में इस तरह की ज़हरीली गैस का इस्तेमाल हो रहा हो। इसमें कोई दोराय नहीं कि कम्पनी प्रबंधन की तरफ़ से लापरवाही बरती गईं है। जब प्लाण्ट बंद होने से पूर्व काम कर रहा था तो फ़िर लॉकडाउन के बाद कार्य चालू होने के बाद गैस का रिसाव कैसे हुआ। यह किसी तकनीकी गड़बड़ी से हुआ या फ़िर किसी की साजिश से हुआ। इस मामले की गम्भीरता से पड़ताल होनी चाहिए। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए सभी गाँव वालों को सुरक्षित निकाल लिया है।लेकिन ज़हरीली गैस रिसाव के चलते लोगों के आँखों में जलन हो रही है। मासूम बच्चों और बुजुर्गों को स्वांस लेने में बड़ी दिक्कत हो रही है। यह परेशानी जानलेवा हो सकती है।

यह प्लाण्ट एलजी पॉलिमर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का है। 1961 में बना यह प्लांट हिंदुस्तान पॉलिमर्स का था। इसे 1997 में दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी ने अधिग्रहण कर लिया। आंध्रप्रदेश के उद्योग मंत्री गौतम रेड्डी ने यह माना है कि लॉकडाउन के बाद कम्पनी खोलते समय कहीं न कहीं चूक हुई है जिसकी वजह से गैस रिसाव की समस्या हुई है। सवाल उठता है कि केंद्र सरकार की तरफ़ से इस तरह के जोखिम भरी कम्पनियों के लिए सुरक्षा की गाइडलाइन ज़रूर जारी की गईं होगी। क्योंकि इस तरह के उद्योग रसायनिक प्रयोगों की वजह से जोखिम भरे होते हैं। यह जांच का विषय है कि 40 दिन बाद कम्पनी खोलने से पहले क्या सम्बन्धित गाइडलाइन का अनुपालन किया गया था या नहीं। अगर नहीं तो इसके लिए सीधे तौर पर कम्पनी प्रबंधन की जवाबदेही बनती है। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह मसला लोगों की जिंदगी से जुड़ा है। विदेशी प्लाण्ट भारत के लोगों की जिंदगी को इतना सस्ता क्योंकि समझते हैं। क्योंकि भोपाल और विशाखापट्नम की घटना विदेशी प्लांटों की वजह से हुई है। अपने आप में यह विचारणीय है।

राज्य और केंद्र सरकार की पहली प्रथमिकता है कि लोगों का जीवन बचाया जाय।

प्रभावित परिवारों और लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाय। गैस के प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिकों की मदद से प्रभावित इलाके को निष्प्रभावी बनाया जाय। इसका असर क्या हो सकता है लोगों को इसके बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जाय। इस गैस का प्रभाव क्या भोपाल गैस त्रासदी से भी गहरा है इसकी भी जांच होनी चाहिए। क्योंकि भोपाल में 36 साल पूर्व हुई इसी तरह की घटना में हजारों बेगुनाहों ने अपनी जान गँवाई थी। भोपाल में ही रात्रि में गैस लीक हुई थी जिसकी वजह से गहरी नींद में सो रहे लोग सुबह नहीं उठ पाए थे। दमघुटने से उनकी मौत हो गई थी। हालाँकि वहां एनडीआरएफ के जवान बचाव और राहत में जुटे हैं। लेकिन सरकारों और वहां के स्वयंसेवी संगठनो को आगे आना चाहिए। इस वक्त लोगों को अधिक से अधिक मदद की ज़रूरत है।

इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी– कड़ी से सजा होनी चाहिए। विशाखापट्नम में सरकारों की पहली प्रथमिकता जहरीली गैस से पीड़ित लोगों की जान बचाने की होनी चाहिए। इस मामले में जाबबदेही तय होनी चाहिए।

बेगुनाह लोगों की मौत का जिम्मेदार आखिर कौन है? क्योंकि अगर सच को जिंदा दफन किया गया तो भोपाल, विशाखापट्नम के बाद इसी तरह की और घटनाएँ सामने आती रहेंगी और अनगिनत छोटी घटनाएं इस तरह की कम्पनियों में हो चुकी हैं।

(विचार–मंथन)

मजदूरों की पीड़ा

लॉकडाउन में प्रवासी मजदूरों की बेबसी की एक और घटना सामने आई है। यह घटना भर नहीं है, लाचारी भी है।

इसे नियति कहना भी गलत होगा, क्योंकि ऐसी परिस्थिति हमने निर्मित की। कोरोना का संक्रमण तो सिर्फ सोशल डिस्टेंसिंग का संदेश दे रहा था, मगर हमने तो मजदूरों को सड़क पर ला खड़ा कर दिया। तभी तो औरंगाबाद जैसा हादसा आज हमारे सामने है और हम बेबस हैं, जो 16 जिंदगियों को वापस नहीं ला सकते।

औरंगाबाद में पटरी पर सोए प्रवासी मजदूरों के ऊपर से मालगाड़ी गुजरने से 16 की मौत हो गई है। मरने वालों में मजदूरों के बच्चे भी शामिल है। मरने वाले सभी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। घटना शुक्रवार तड़के करमाड पुलिस स्टेशन थाने के अंतर्गत की है।

दक्षिण मध्य रेलवे के सीपीआरओ ने बताया, घटना करमाड के नजदीक हुई। खाली मालगाड़ी प्रवासी मजदूरों के ऊपर से गुजर गई। प्रवासी मजदूर रेल की पटरियों पर सोये और अचानक उनके ऊपर मालगाड़ी गुजर गई। नींद में होने की वजह से किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला।

लेकिन हम चाहते तो इस घटना को रोक सकते थे, मजदूरों को असमय मारे जाने से बचा सकते थे। जान और जहान के चक्कर में अब हाथ में कुछ नहीं बचा है।

अब भी समय है, हम जहान के चक्कर में जान बचा लें। यह देश मजदूरों का है, उन्हीं से आगे बढ़ता है। मजदूर किसी भी देश की धुरी होते हैं, मगर आज वही जाम हो चुकी है। भविष्य का पहिया घूमे भी तो कैसे। आज जिन 16 परिवार में कोहराम मचा है, उसे सुनने की भी हिम्मत किसी में नहीं है क्योंकि यह कोहराम कोरोना ने नहीं व्यवस्था ने दिया है।

देश के विभिन्न हिस्सों से प्रवासी मजदूरों के अपने घरों की ओर लौटने की बेकली सड़कों पर नजर आ रही है।

सूरत, बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, हर कहीं लोग अपने घर की ओर लौटते दिख रहे हैं। अभी कोरोना संक्रमितों की संख्या घटने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में सरकारों की चिंता है कि अगर लोगों को घर लौटने की खुली छूट दे दी गई, तो संक्रमण का चक्र तोडने की मंशा धरी रह जाएगी। इसलिए लॉकडाउन के तीसरे चरण में शर्तों के साथ छूटें दी गई हैं। पर लोगों का सब्र अब टूटने लगा है।

पिछले 40 दिनों से ज्यादा समय तक तक घरों, शिविरों, आश्रय केंद्रों में जैसे भी बंद रह कर उन्होंने नियमों का पालन किया,

पर अब जब कुछ राज्य सरकारों ने जगह–जगह फंसे विद्यार्थियों, मजदूरों वगैरह को निकालने की पहल की है, तब लोगों की घर लौटने की बेचैनी बढ़ गई है। दरअसल, ये लोग जितने बीमारी के भय से आतंकित नहीं हैं,

उनसे अधिक भूख और बदहाली से त्रस्त हैं। आगे भी उन्हें जीवन की स्थितियां कुछ आशाजनक नहीं दिख रहीं। इसलिए वे जितना जल्दी हो, अपने गांव, परिवार के बीच पहुंच जाना चाहते हैं।

प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा भी आखिर राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। अभी कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें शिविरों या आश्रय गृहों में रख कर आखिर उनके भोजन आदि का प्रबंध करना ही पड़ रहा है। इस जिम्मेदारी को कहां तक पूरा किया जा पा रहा है, जगह–जगह फूट रहे असंतोष और शिकायतों से उसकी पोल खुल चुकी है।

ऐसे में अगर उन्हें घर भेजने का प्रबंध किया जाता है और मजदूरों के किराए का खर्च सरकारें वहन करती हैं, तो वह ज्यादा महंगा नहीं पड़ेगा। बहुत सारे लोग मदद के लिए दान कर रहे हैं, उसका कुछ हिस्सा इस पर खर्च किया जा सकता है।

आखिर इस तरह लंबे समय तक लोगों को जबरन रोक कर और त्रासद स्थितियों के बीच जीने को बाध्य करना कहां तक उचित कहा जा सकता है। जैसे भी हो, सरकारों को इन लोगों की वापसी का प्रबंध करना ही चाहिए।

प्रसंगतः सेवा की भावना बनाती है महान

उड़ीसा के कटक शहर के उड़िया बाजार में एक बार प्लेग फैला। मच्छर और गंदगी के कारण लोग बहुत दुखी थे। केवल बापूपाड़ा मोहल्ला इससे बचा था क्योंकि वहां बहुत सारे वकील और बुद्धिजीवी रहते थे। वे अपने घरों और आसपास गंदगी नहीं रहने देते थे। वहां के कुछ लड़कों ने सफाई अभियान चलाने के लिए एक दल बनाया, जिसमें दस साल के बच्चों से लेकर अठारह साल तक के नौजवान शामिल थे। उस दल का मुखिया था बारह साल का बालक। उड़िया बाजार में हैदर अली नाम का एक कुख्यात व्यक्ति रहता था। बापूपाड़ा के लड़के जब उड़िया बाजार में साफ-सफाई करने आए तो हैदर अली ने उन्हें भगा दिया। असल में बापूपाड़ा के प्रति उसके मन में कटुता भरी हुई थी क्योंकि वहां के वकीलों ने उसे कई बार जेल भिजवाया था। लेकिन कुछ ही दिनों के बाद हैदर अली की पत्नी और उसके बेटे को भी प्लेग हो गया। यह सुनते ही अभियान दल का मुखिया उनकी तीमारदारी में लग गया। हैदर अली ने उस लड़के से पूछा, 'तुमको डर नहीं लगता'? लड़के ने जवाब दिया, 'मैं क्यों डरूं?' हैरद अली ने कहा 'मैं तो बापूवाड़ावालों को गालियां देता हूं। सेवामंडल के लड़कों को तो मैंने अपना शत्रु समझकर भगा दिया और तुम मेरी पत्नी और बच्चे की सेवा कर रहे हो। हम तुम्हारी इस हिम्मत और उदारता से बड़े प्रभावित हैं। बेटा! मुझे माफ कर देना। मैंने तुम्हारी सेवा की कद्र नहीं की।' बालक ने कहा, 'आप तो हमारे पिता तुल्य हैं। माफी देने का अधिकार हमें नहीं है, हमें तो आपसे आशीर्वाद लेना चाहिए। आपकी पत्नी मेरी मां जैसी हैं और बेटा मेरे भाई जैसा है।' हैदर अली उस बच्चे की निष्काम सेवा और मधुर वाणी से इतना प्रभावित हुआ कि फूट-फूटकर रोने लगा। लड़के ने कहा, 'चाचा, आप फिक्र न करें। हमें सेवा का मौका देते रहें।' वह एक असाधारण बालक था जो आगे चलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम से विख्यात हुआ।

दैनिक पंचांग

09 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय		
सूर्य	मेष में	वृष	5.44 बजे से	
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	7.42 बजे से	
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.56 बजे से	
बुध	मेष में	सिंह	12.12 बजे से	
गुरु	मकर में	कन्या	14.24 बजे से	
शुक्र	वृष में	तुला	16.35 बजे से	
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.49 ब.से	
राहु	मिथुन में	धनु	21.05 बजे से	
केतु	धनु में	मकर	23.11 बजे से	
राहुकाल		कुंभ	00.57 बजे से	
9.00 से 10.30 बजे तक		मीन	2.30 बजे से	
		मेष	4.00 बजे से	

शनिवार 2020 वर्ष का 130 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2077 **शक संवत्** 1942 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 10.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 6.33 बजे तदनन्तर ज्येष्ठा 05.02 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** परिघ 9.34 बजे को समाप्त। **करण** गर 10.16 बजे तदनन्तर वणिज 21.05 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1870513 **जूलियन दिन** 2458978.5 **कलियुग संवत्** 5121 **कल्पारंभ संवत्** 1972949121 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885121 **वीरनिर्वाण संवत्** 2546 **हिजरी सन्** 1441 **महीना** रमजान **तारीख** 15 **विशेष** गोपालकृष्ण गोखले जयन्ती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

(विचार–मनन)

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने–पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने–माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा–क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा–मेरे पास तो इससे कई गुना धन–संपत्ति और है। सेठ ने पूछा–क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते है सेठ ने कहा– हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा– तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन–संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे

आज का इतिहास 9 मई

1540 महाराणा प्रताप का जन्म हुआ.
1788 ब्रिटेन ने दास व्यापार समाप्त करने के लिए संसदीय प्रस्ताव पारित किया.
1866 राष्ट्रीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म हुआ.
1933 नाजियों ने बर्लिन में 25 हजार किताबों की होली जलाई.
1936 इटली ने इथोपिया पर कब्जा किया.
1955 पश्चिम जर्मनी नाटो का सदस्य बना.
1968 अमरीका और उत्तर वियतनाम के प्रतिनिधि शांति वार्ता में भाग लेने पेरिस पहुंचे.
1978 इटली के पूर्व प्रधानमंत्री एल्डो मोरो का गोली से छलनी शव मध्य रोम में मिला.
1987 पोलैंड का विमान 183 यात्रियों सहित दुर्घटनाग्रस्त हो गया.
1991 यूगोस्लाव सेना को सर्व और क्रोट के बीच जातीय संघर्ष समाप्त करने के लिए अधिकृत किया गया.
1995 स्वतंत्रता सेनानी और गांधीजी के निकट आभा गांधी का निधन.
1996 प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव का त्यागपत्र. कोई भी दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं.
1997 हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर के करीब एक ट्रक के गहरी खाई में गिर जाने से 71 व्यक्तियों की मृत्यु.
1998 गायक तलत महमूद का निधन.
2001 नई दिल्ली में सेना भवन के पास दो बम विस्फोट.
2001 ईटा नगर में हैलीकाप्टर दुर्घटना में असम के एक मंत्री समेत सात लोग मरे.

लॉफिंग ज़ोन

भोलाराम का बेटा चार दिन से स्कूल जाने लगा। एक दिन उसकी मां ने पूछा बेटा चार-चार कितने हुए? बेटा बोला-सात

भोलाराम ने बच्चे पर गर्व किया और बोला, ''देखा, कितना समझदार है केवल तीन की गड़बड़ कर गया।''

☺ ☺ ☺

उपदेशक, ''नरक में, जो यातनाएं भोगनी पड़ती हैं, उनके संबंध में तो आप जानते ही हैं, अतः.....''

एक श्रोता, ''मेरा विश्वास है कि हममें से शायद किसी को भी इसका ज्ञान नहीं है क्योंकि हम वहां अभी तक गए ही नहीं हैं। अतः आप ही उसके संबंध में अपने अनुभव बता दें तो अच्छा हो।''

☺ ☺ ☺

सुनसान खेतों में दनदनाती हुई गाड़ी एकदम रूक गई। डिब्बे के पास से गुजरते हुए गार्ड को रोक कर एक महिला यात्री ने पूछा, ''अजी, क्या हुआ है ?''

''कोई खास बात नहीं, एक गाय इंजन के नीचे आ गई।'' गार्ड ने उत्तर दिया।

''तो क्या गाय पटरी पर जा रही थी?'' महिला ने फिर प्रश्न किया।

''जी नहीं, हमने उसके पीछे खेतों में इंजन छोड़ दिया था।'' गार्ड ने खीझ कर उत्तर दिया।

आज का काटू.

राजकाज

राहुल की सलाह

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमें अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था को जल्दी खोलना चाहिए। जितना वक्त हम गंवाएंगे उतना ही बुरा प्रभाव हम पर पड़ेगा। अगर इस लड़ाई को हम केवल पीएमओ में लड़ेंगे तो हम हार जाएंगे। यह आलोचना करने का समय नहीं है। हमें लॉकडाउन खोलने के लिए एक रणनीति की जरूरत है। राहुल का यह सुझाव गलत नहीं है। कई उद्योगपति भी यह बात कह चुके हैं। अतः सरकार को इस पर अमल करना चाहिए, क्योंकि जान के चक्कर में जहान लुट रहा है।

गरीबों की मौत

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में पटरी पर सोए प्रवासी मजदूरों के ऊपर से मालगाड़ी गुजरने से 17 की मौत हो गई है। मरने वालों में मजदूरों के बच्चे भी शामिल है। मरने वाले सभी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। घटना शुक्रवार तड़के करमाड पुलिस स्टेशन थाने के अंतर्गत की है। दक्षिण मध्य रेलवे के सीपीआरओ ने बताया, घटना करमाड के नजदीक हुई। सवाल यह है कि सरकार को गरीबों की फिक्र क्यों नहीं है। एक तरफ विदेशों से भारतीयों को लाया जा रहा है, वहीं देश के गरीबों का कोई पुरसाहाल नहीं है।

कोरोना का नया रूप

कोरोना वायरस से जूझ रही दुनिया के लिए एक चौंका देने वाली बुरी खबर सामने आई है। यूनिवर्सिटी ऑफ हांग कांग के शोध से पता चला है आंखें इंसान के शरीर कोरोना वायरस के घुसने का बड़ा स्रोत बन गई हैं। यही नहीं सार्स और बर्ड फ्लू की तुलना में कोरोना वायरस मुंह, नाक और आंखों से 100 गुना ज्यादा तेजी से शरीर में घुस रहा है। प्रयोगशाला में हुई जांच में पता चला है कि कोविड–19 के वायरस का लेवल सार्स की तुलना में इंसान को आंखों से ज्यादा तेजी से संक्रमित कर रहा है। यह क्षण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती भरा है क्योंकि पूरी दुनिया उनकी ओर आशा भरी नजर से देख रहा है।

हिज्बुल की कमान किसे

जम्मू–कश्मीर में हिजबुल कमांडर रियाज नायकू के मारे जाने के बाद इस आतंकवादी संगठन के नए कमांडर के नाम की चर्चा होने लगी है। माना जा रहा है कि डॉक्टर सैफुल्ला उर्फ अबु मुसैद और जुनैद सहराई में से कोई एक उसकी जगह ले सकता है।

सहराई के हिजबुल का कमांडर बनने की ज्यादा गुंजाइश है क्योंकि उसके पिता अशरफ सेहराई जमीयत–ए–इस्लामी के कट्टर समर्थक हैं और अलगाववादियों से उनके अच्छे रिश्ते हैं। डॉक्टर सै फुल्ला पुलवाला जिले के मलंगपोरा का रहने वाला है और बुरहान वानी के 12 आतंकियों की टोली का हिस्सा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अस्पताल में भर्ती कोरोना पॉजिटिव महिला से छेड़छाड़ केस में जांच के आदेश

नोएडा । ग्रेटर नोएडा के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कोरोना पॉजिटिव महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला से छेड़छाड़ का आरोप सफा. ईकर्मी और स्टोरकर्मी पर है। आरोपियों ने महिला के नवजात को दूध पिलाने के बहाने छेड़छाड़ की। महिला की शिकायत पर अस्पताल के चिकित्सा अधि ाकारी ने नॉलेज पार्क थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी राजेश कुमार का कहना है कि 24 अप्रैल को नोएडा के एक अस्पताल में महिला ने बच्चे को जन्म दिया था। इस दौरान महिला की कोरोना जांच की गई थी जिसकी 3 मई को पॉजिटिव रिपोर्ट आई थी। इसके बाद महिला को ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। महिला के पति व अन्य परिजन को क्वारंटाइन केंद्र में रखा है।

महिला ने आरोप लगाया कि अस्पताल में तैनात सफाईकर्मी और स्टोर. कर्मी ने बच्चे को उसका दूध पिलाने और टेस्ट के लिए यूरिन लेने के बह. ाने छेड़छाड़ की। महिला का आरोप है कि दोनों आरोपियों ने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ था। इसके चलते वह उनका चेहरा ठीक से नहीं देख पाई। महिला ने आरोपियों की हरकत का विरोध किया और शोर मचाया तो आरोपी वहां से चले गए। महिला की आवाज सुनकर मौके पर अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी और अधिकारी पहुंच गए। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि घटना के दौरान महिला की देखभाल के लिए तैनात नर्स वॉशरूम गई थी। महिला ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की मांग की।

अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी ने नॉलेज पार्क थाने में लिखित तहरीर देकर इस संबंध में केस दर्ज करवाया। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान लवकुश पुत्र रामलीलाल निवासी ग्राम खनपुरा थाना जहांगीराबाद बुलंदशहर और प्रवीन सुंदर पुत्र विजयपाल निवासी ग्राम बोंद्र थाना किठोर जिला मेरठ के रूप में की है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस दोनों से इस मामले में पूछताछ कर रही है। अस्पताल में भर्ती कोरोना पॉजिटिव महिला से छेड़छाड़ के मामले में जिलाधिकारी सुहास एल।वाई ने जांच के आदेश दिए हैं। डीएम के आदेश पर प्रशासनिक अधिकारियों ने जांच शुरू की है। वहीं, घटना के बाद महिला ने अपने पति को भी फोन कॉल कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है।

साइकिल से छत्तीसगढ़ जा रहे मजदूर दंपत्ति की मौत, बच्चे जख्मी

लखनऊ । शहर के शहीदपथ के गोल्फ सिटी इलाके में साइकिल सवार छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर पति पत्नी की किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गयी जबकि उनके दो बच्चे घायल हो गये। यह हादसा बुधवार देर रात हुआ जब कृष्णा साहू उसकी पत्नी प्रमिला और दो बच्चे निखिल (डेढ साल) और चांदनी (03) सायकिल से छत्तीसगढ़ जा रहे थे। तभी किसी अज्ञात वाहन ने सायकिल को टक्कर मार दी जिससे चारों बुरी तरह से जख्मी हो गये और इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पहले प्रमिला की मौत हो गयी बाद में इलाज के दौरान कृष्णा की भी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि दोनो बच्चे किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर में भर्ती है, जहां उनकी हालत स्थिर है।

उपद्रव के आरोपियों की मौत के बाद घर वालों से होगी वसूली, यूपी में बना सख्त कानून

लखनऊ । देश विरोधी ताकतों के खिलाफ यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कमर कस सी है। उत्तर प्रदेश में दंगाइयों द्वारा सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षतिपूर्ति वसूली के लिए नियमावली को मंजूरी दे दी है। कोरोना काल में यहां एक तरफ सीएम योगी स्वास्थकर्मी और अन्य कोरोना योद्धाओं के साथ सलीके से पेश आने की हिदायत देते नजर आ रहे हैं वहीं शांति भंग करने वालों के खिलाफ एक्शन मोड में भी नजर आ रही हैं। उत्तर प्रदेश में अब प्रदर्शन और बंद के दौरान उपद्रव कर सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना उनके जीवन की सबसे बड़ी भूल साबित होगा।

राज्य सरकार ने क्षति वसूली अध्यादेश के तहत ऐसी व्यवस्था कर दी है कि सरकारी–निजी संपत्ति को नुकसान वाले की मुकदमे के दौरान अगर मौत भी हो जाती है तो वसूली उसके घर वालों से की जाएगी। नियमावली के मुताबिक कार्यवाही के दौरान किसी भी पक्षकार की अगर मौत हो जाती है तो वसूली का मुकदमा खत्म नहीं होगा। नियमावली में सरकारी व निजी संस्थानों के लिए कहा गया है कि उनके यहां होने वाली तोड़फोड़ या संपत्तियों के नुकसान की सीसीटीवी फुटेज या वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी उनकी होगी। सम्पत्ति के संबंध में हुई क्षतियों का अनुसंधान करने के लिए दावा अधिकरण का गठन करने और प्रतिकर तय करने के लिए नियम बनाए गए हैं।

इस नियमावली के नियम–9 में दावा अधिकरण का गठन, नियम 27 में दावा याचिका, नियम–33 में दावों की सुनवाई, नियम–43 में प्रतिकर की ध नराशि विनिश्चित करने के नियम और अधिकरण द्व ारा विनिश्चित की गई क्षतियों की धनराशि की वसूली का प्रावधान किया गया है।

बीते दिनों देखा गया था कि प्रदेश में उपद्रवियों की पहचान के बाद उनके पोस्टर लगाए गए थे। ये मामला काफी विवादों में रहा था और कोर्ट में भी चला गया था। जिसको लेकर बाद में सरकार ने कानून भी बना दिया था। योगी सरकार की नई नियमावली के तहत अब निजी संपत्तियों को क्षति पहुंचाने वालों के वसूली से जुड़े पोस्टर व फोटो लगाने का खर्च भी आरोपितों से ही वसूल किया जाएगा। फोटो व पोस्टर लगाने की कार्यवाही तब की जाएगी जब आरोपित वसूली की रकम देने से बच रहा हो और ट्रिब्यूनल का फैसला न मान रहा हो।

सोफा नहर में नहाने गए आधा दर्जन बच्चों में से एक किशोर पानी में डूबा

मौके पर पहुंची पुलिस तलाश में जुटी

अलीगढ़ खैर कोतवाली क्षेत्र के गांव खेड़ा के आधा दर्जन बच्चे सोफा नहर में नहाने के लिए आए थे तभी नहाते नहाते एक 15 वर्षीय किशोर करन पानी में डूब गया। सूचना पर पहुंची इलाका पुलिस ने किशोर को नहर में काफी तलाश किया लेकिन किशोर का कहीं पता नहीं चला।

जानकारी के अनुसार पानी में डूबे किशोर करन के पिता गजेंद्र ने बताया कि आज करन अपने साथियों के साथ नहाने के लिए आया था और वह मजदूरी करने के लिए गया था तभी उसके भतीजे ने फोन किया कि करन पानी में डूब गया है वह तुरंत नहर पर पहुंचा तब तक पूरा गांव नहर पर था। पुलिस को भी सूचना दी पुलिस ने गोताखोरों के माध्यम नहर में डूबे किशोर को काफी तलाशा कराया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। किशोर के पिता का आरोप है कि पुलिस ने तीन चार घंटे इधर–उधर तलाश किया लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया है।

शहर व देहात में चल रही हैं अवैध फैक्ट्रियां

अलीगढ़ । शहर व देहात क्षेत्र के आबादी एरिया में कई अवैध फैक्ट्री संचालित हो रही हैं। जहां अमोनिया सहित अन्य गैस का काम किया जाता है। लेकिन, न तो जिला प्रशासन और न ही संबंधित विभाग इस ओर ध्यान दे रहे हैं। किसी हादसे के बाद ही अधिकारियों की आंख खुलती है।

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित एक फैक्ट्री में स्टाइरीन जहरीली गैस लीक होने से बड़ा हादसा हो गया। जिससे 11 लोगों की मौत के साथ ही 800 लोग अस्पताल में भर्ती है। बात की जाए अलीगढ़ की तो जहरीली गैस से अलीगढ़ में भी लोगों ने दम तोड़ा था। 2015 में लोधा थाना क्षेत्र के कोकाटोका में एक मीट फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव हुआ था। जिसमें दम घुटने से चार मजदूरों की मौत हुई थी। जबकि 2016 में टप्पल थाना क्षेत्र के गांव पालर में फसल की सिंचाई के लिए पंप को चालू करने कुएं में उतरे युवक की जहरीली गैस की चपेट में आकर मौत होने के साथ ही उसे बचाने कुएं में उतरे दंपती समेत गांव के चार अन्य लोगों की भी मौत हुई थी।

मीट फैक्ट्री में चार ने तोड़ा था दम

17 जनवरी 2015 में लोधा थाना क्षेत्र के कोकाटोका में एक मीट फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव हुआ था। इसमें दम घुटने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे ने अस्पताल में दम तोड़ा था। यह जहरीली गैस अमोनिया बताई गई थी। इस फैक्ट्री से चीन को मीट की सप्लाई की जाती थी। इस हादसे में मकदूम नगर निवासी मुश्ताक, महफूज नगर गोश्त वाली गली में रहने वाले शकील, नगला मसानी निवासी जफरूद्दीन और ईदगाह देहली गेट निवासी आसिफ की मौत हुई थी। जांच में फैक्ट्री में अनियमितताएं मिलने पर लाइसेंस निरस्त करने की बात कही गई थी, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कुंए में उतरने पर हुई थी पांच की मौत

19 सितंबर 2016 में जिला मुख्यालय से 55 किमी दूर टप्पल इलाके के गांव पालर में कुंए में उतरने के कारण पांच लोगों की जहरीली गैस के चलते मौत हुई थी। हादसे के दौरान पालर गांव निवासी यदुवीर मां कैलाशी के साथ खेत से चारा लेने गया था। इसी बीच यदुवीर बाजरा की फसल की सिंचाई करने के लिए इंजन चालू करने लगा। काफी प्रयास के बाद भी जब पानी नहीं आया, तो वह पंप ठीक करने 20 फुट गहरे कुएं में उतर गया था। काफी देर बाद भी जब नहीं लौटा, तो उसकी मां ने शोर मचाया। खेत में काम कर रहे प्रेमपाल शर्मा, पत्नी हेमलता के साथ वहां पहुंच गया था। सभी लोग कुएं से बाहर नहीं निकले। इस पर गांव का गुलवीर व शिव कुमार भी कुएं में उतरे थे, लेकिन जहरीली गैस के कारण पांचों की मौत हो गई थी।

नशे में धुत रिटायर्ड सिपाही ने घर में की फायरिंग

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में शराब के नशे में धुत परिवहन विभाग से रिटायर्ड एक सिपाही ने अपने बेटे और बहू से नाराज होकर घर में ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान बेटे और बहू ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बाथरूम का दरवाजा तोड़कर रतन बाबू गुप्ता को बाहर निकाला और गिरफ्तार किया। इस समय पुलिस ने लाइसेंसी रिवॉल्वर समेत नशेबाज के कमरे से दो अवैध असलहे भी बरामद किए हैं। इस मामले में अपर पुलिस अध ीक्षक ज्ञानजंय सिंह ने बताया कि पूरे मामले में आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है और शस्त्र लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया भी अमल में लाई जा रही है। इससे पहले योगी सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि 'लॉकडाउन लागू होने के साथ ही प्रदेश में शराबी की बिक्री पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई थी। चूंकि शराब लोगों की लाइफ स्टाइल और फूड हैबिट्स में शामिल हो चुकी है और लोगों की इन आदतों को आसानी से नहीं बदला जा सकता है। खन्ना ने गाजियाबाद के मोदीनगर का उदाहरण देते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि शराब न मिलने की वजह से तीन युवकों ने सैने. टाइजर पी लिया, जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

लॉकडाउन में विदेशों में फंसे लोगों को लेकर 9 मई को शारजाह से लखनऊ लेकर आएगी उड़ान

यूएई में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर एयर इंडिया का विमान 9 मई शनिवार की शाम लखनऊ आएगा। डीएम, एयरपोर्ट निदेशक सहित अन्य अधि ाकारियों ने अन्तरराष्ट्रीय टर्मिनल का निरीक्षण किया है। अमौसी स्थित एयरपोर्ट के टर्मिनल एक पहुंचकर डीएम अभिषेक प्रकाश, निदेशक ए.के.शर्मा ने यात्रियों की स्क्रीनिंग के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही निर्देश दिया कि टर्मिनल में प्रवेश के बाद यात्रियों के बीच दो गज की दूरी बनी रहे इसके लिए पीली पट्टियां बना दी जाएं। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि अधिक संख्या में अपनी टीम लगाएं जिससे यात्रियों की स्क्रीनिंग में दिक्कत न आए। पूरे परिसर को बार–बार विसंक्रमित करने के भी डीएम ने निर्देश दिए। इसके अलावा जिन वाहनों से यात्री अपने घर जाएंगे इसकी व्यवस्था पहले से तैयार रखने के भी निर्देश दिए है। एयर इंडिया की उड़ान संख्या आईएक्स 183 शाम को 8:30 बजे शारजाह से लखनऊ उतरेगी। इसके बाद 9:40 पर आईएक्स 184 यहां से दिल्ली के लिए रवाना होगी। खाड़ी देशों के अलावा यूरोप और अमेरिका से भारतीय नागरिकों को लेकर विमान सीधे लखनऊ आएंगे। फिलहाल इन उड़ानों के संबंध में दिशा निर्देश नहीं मिले हैं, बस सूचना है। ऐसे में एयरपोर्ट को इसके लिए तैयार किया जा रहा है।

राम मंदिर निर्माण की भूमि पूजन की तिथि जल्द

अयोध्या। लॉकडाउन में निर्माण कार्यों को मिली छूट से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राममंदिर के लिए भूमि पूजन की तैयारी तेज कर दी है। सुरक्षा और दर्शन के लिए गर्भगृह के आसपास लगाई गई लोहे की घेराबंदी व जाली समेत सीआरपीएफ के कैंप को हटाने का कार्य शुरू हो गया है।–दइेच;इसी के साथ भूमि के समतलीकरण के लिए लार्सन एंड ट्रबो के इंजीनियरों पर्यवेक्षण में स्थानीय पीडब्ल्यूडी की टीम लगा दी गई है। यहां कैंप कर रहे ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और आफिसियो ट्रस्टी जिलाधि ाकारी अनुज कुमार झा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को बुलाने से पहले मुकम्मल तैयारी का खाका बन गया है। लॉकडाउन के तीसरे चरण में निर्माण कार्य शुरू करने को लेकर मिली छूट से ट्रस्ट प्रशासन उत्सा. हित है। डीएम अनुज कुमार झा की ओर से मंदिर के नक्शे के मुताबिक गर्भगृह के चारों ओर लगाई गई लोहे की पाइप की घेराबंदी, लोहे की जाली, अस्थाई सुरक्षा कर्मियों के कैंप को हटाकर समतल कराने का कार्य जोरों पर है।–दइेच;पीडब्ल्यूडी खंड दो की ओर से वाहनों में मजदूरों को लाकर कड़ी जांच के बाद काम पर लगाया जा रहा है। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र को लोहे की सफाई कार्य को रोजाना मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। ट्रस्ट के मह. ासचिव चंपत राय कहते हैं कि अब तेजी से राममंदिर निर्माण की कार्ययोजना पर आगे बढऩे का वक्त है।

कौशांबी से घर जा रहे मजदूर हुए सड़क दुर्घटना में घायल

कौशांबी । उत्तर प्रदेश के कौशांबी में क्वारंटाइन सेंटर से घर जा रहे प्रवासी मजदूर सड़क हादसे का शिकार हो गए हैं। बताया गया कि सभी प्रवासी मजदूर पिकअप में सवार होकर अझुवा क्वारन्टीन सेंटर से निकले थे। तभी मंझनपुर कोतवाली के सेलरहा के पास पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 18 प्रवासी मजदूर घायल हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। इनमें से 6 घायलों की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। फिलहाल गंभीर रूप से घायलों को को प्रयागराज के लिए रेफर किया गया है। इस बीच पुलिस ने घायलों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। बता दें कि यह सभी प्रवासी मजदूर महाराष्ट्र के कल्याण से 4 दिन पहले एक ट्रक में सवार होकर अपने घर कौशाम्बी के लिए रवाना हुए थे। मगर, कनवर बॉर्डर के पास इन लोगों को पुलिस ने रुकवा लिया और एक क्वारंटाइन सेंटर में रोक दिया था। इस दौरान रात को सभी लोग भोजन कर क्वारंटाइन सेंटर में ही सो गए। सुबह उन लोगों को कहा गया कि आप लोग अपने घरों को जा सकते हैं। सभी मजदूर पैदल ही अपने घर के लिए आज सुबह रवाना हो गए। इसके सेलराहा के पास पिकअप पहुंची अचानक अनियंत्रित होकर पिकअप एक गड्ढे में पलट गई. हादसे में 18 लोग घायल हो गए, जिसमें से 6 लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर कर दिया है।

मौलाना साद के ससुर का सैंपल हुआ गायब

ससुराल के अन्य सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट आई नेगेटिव

सहारनपुर । तबलीगी जमात के सर्वेसर्वा मौलाना साद की वजह से सहारनपुर एक बार फिर चर्चाओं में आ गया। इसका कारण यह है कि मौलाना साद की ससुराल सहारनपुर जिले में थाना मंडी के मोहल्ला मुफती में है। पिछले दिनों जब मौलाना सुर्खियों में आया तो यह बात सामने आई कि मौलाना साद का सहारनपुर से गहरा रिश्ता है, उसकी ससुराल सहारनपुर में है और अक्सर अपनी ससुराल में साद का आना जाना होता है। बीते 15 मार्च को मौलाना साद सहारनपुर में अपनी ससुराल आया था। मौलाना साद के ससुर मौलाना सलमान के भाई जो विदेश से होकर आए थे, उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया था तो स्वास्थ्य विभाग खलबली मच गई थी। स्वास्थ्य विभाग ने मौलाना साद के ससुर मौलाना सलमान सहित करीब 15 लोगों का सैंपल नोएडा की लैब में जांच के लिए भेजा था। इस दौरान ये सभी लोग क्वारंटीन रहे। इस बीच कोरोना सदिग्धों की रिपोर्ट नेगेटिव आई लेकिन इन रिपोर्टस में मौलाना साद के ससुर मौलाना सलमान की रिपोर्ट नहीं थी।

सहारनपुर के सीएमओ डॉ. बीएस सोढ़ी ने इस मामले में नोएडा लैब से सम्पर्क किया तो पता चला कि मौलाना सलमान की रिपोर्ट मिसिंग है। जांच में सामने आया कि मौलाना सलमान के अन्य परिवा. रवालों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है लेकिन मौलाना सलमान की इसमें कोई रिपोर्ट नहीं है। एनबीटी ने डॉ. सोढी से जब इस बारे मे जानकारी ली तो उनका कहना था कि यह कोई पहला मामला नहीं है, अब तक सहारनपुर से भेजे गए 21 से अधिक सैंपल मिस हो चुके हैं। डॉ. सोढ़ी ने कहा कि सैंपल मिस होने के कई कारण हो सकते हैं। ओवरलोड भी इसका कारण हो सकता है। ऐसी स्थिति में दोबारा से सैंपल को टे. स्टिंग के लिए भेजा जाता है। मौलाना सलमान का भी सैंपल फिर से भेजा जा रहा है, जिसकी एक सप्ताह में रिपोर्ट आने की संभावना है। उधर स्वास्थ्य विभाग ने इस बात से राहत की सांस ली है कि मौलाना सलमान के अन्य परिवारवालों की रिपोर्ट नेगेटिव है।

सासनी मेंआए कोरोना पॉजिटिव जमातियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

सासनी । कोतवाली पुलिस ने दिल्ली निजामुद्दीन से कोरोना वायरस लेकर आए 8 जमातियो सहित 22 के खिलाफ कोरोना जैसी महामारी फेलाकर जनमानस के जीवन को संकट में डालने की रिपोर्ट दर्ज की है।

बता दें कि 31 मार्च को यह आठ जमाती एसके अंसारी, षेख मुस्ताक, एसके किताबुल, षेख ताहिर हुसैन, निवासीगण पष्चिम बंगाल, हब्दुल हमीद, हबीबुल अंसारी, अब्दुल कादिर, मो. इसराइल, निवासीगण झारखंड को सासनी बिजलीघर मस्जिद से पुलिस ने पकडकर के एल जैन इंटर कालेज में क्वारंटीन किया था। इनके ठीक होने के बाद इन्हें घर भेज दिया गया। उसके अलावा पुलिस ने नगला भूरा के आजिम, रहमदिल, मोहम्मद कैफ, के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है।, इन पर आरोप है कि इन लोगों ने लापरवाही पूर्ण तरीके से कोरोना जैसी महामारी को फैलाने का शडयंत्र रचा और लोगों को संकट में डाल दिया। विदित हो इनके सासनी में पकडे जाने पर सासनी को पूर्ण रूप से सील कर दिया गया था। अब सासनी सामान्य होने पर लोगों को बाजार में सामान आदि खरीदने के लिए सुबह दस बजे से षाम छह बजे तक छूट दी गई है। वहीं पुलिस ने आजमगढ निवासी निहाल अहमद, अब्दुल कयूम, इसरार अहमद, अब्दुल सलाम, तौफीक अहमद, आषमा, समीमुननिषा, नूरजहां, असीररूननिरूषा, सितारूननषा, जफरूननिशा, के खिलाफ आईपीसी की धारा 269, 270, व 188 के तहत अभियोग पंजीकृत किया है।

यूपी में उद्योगों को दी जाएगी श्रम कानूनों से तीन साल की छूट

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड–19 महामारी के कारण बुरी तरह प्रभावित उद्योगों को मदद देने के लिए अगले तीन साल के लिए श्रम कानूनों से छूट देने का फैसला किया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार ने एक अध्यादेश को मंजूरी दी है, जिसमें कोरोना वायरस संक्रमण के बाद प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था और निवेश को पुनर्जीवित करने के लिए उद्योगों को श्रम कानूनों से छूट का प्रावधान है। प्रवक्ता ने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि राष्ट्रव्यापी बंद की वजह से व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियां लगभग रुक सी गई हैं। उन्होंने कहा निवेश के अधिक अवसर पैदा करने तथा औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्हा. ेंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्री परिषद की बैठक में उत्तर प्रदेश चुनिंदा श्रम कानूनों से अस्थाई छूट का अध्यादेश 2020 को मंजूरी दी गई, ताकि फैक्ट्रियों और उद्योगों को तीन श्रम कानूनों तथा एक अन्य कानून के प्रावधान को छोड़ बाकी सभी श्रम कानूनों से छूट दी जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की अविश्वसनीय क्रिकेट विश्व कप जीत पर आधारित है फ़िल्म '83'

फ़िल्म '83' कबीर खान द्वारा निर्देशित एक आगामी भारतीय खेल ड्रामा फिल्म है जो 1983 में भारत की अविश्वसनीय क्रिकेट विश्व कप जीत की सच्ची कहानी आधारित है। भारत के विश्व कप सफ़र से जुड़े कई दिलचस्प पहलू और तथ्य है। इसी तरह, 1983 की क्रिकेट टीम के बारे में ऐसे ही एक किस्से को हाईलाइट किया गया है।

टीम ने क्वालीफायर मैच के बाद की रिटर्न टिकट पहले से कर ली थी बुक!

भारतीय टीम के लिए मध्य–टूर्नामेंट के दौरान ही वापसी की टिकट बुक कर दी गयी थी क्योंकि किसी ने भी नहीं सा.ेचा था कि वे 20 जून 1983 को समाप्त होने वाले ग्रुप मैचों में सफ़ल होंगे और सेमीफाइनल 22 जून को होने वाला था।

इतना ही नहीं, टीम के क्रिकेटरों में से सात, जिनमें से कुछ ने हाल ही में शादी की थी, उन्होंने ग्रुप मैच खत्म होने के तुरंत बाद ही अपनी पत्नियों के साथ छुट्टियां मनाने की योजना बना रखी थी। उन्होंने 20 जून की रात को न्यूयॉर्क के लिए अपने टिकट भी बुक किए थे।

इस किस्से पर अधिक रोशनी डालते हुए कबीर खान ने साझा किया,ष्यह कहानी मुझे श्रीकांत ने बताई थी कि कैसे सभी को विश्वास था कि भारत वर्ल्ड कप नहीं जीत पाएगा। यहाँ तक कि खुद भारतीय खिलाड़ियों को भी यही लगता था कि वे वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते। इसके उदाहरण के तौर पर श्रीकांत ने हमें बताया कि जब उनका सिलेक्शन हुआ वे सभी बेहद खुश थे और श्रीकांत की उस समय वर्ल्ड कप से कुछ वक्त पहले यानी मार्च में ही शादी हुई थी। और जब उन्हें सिलेक्शन की खबर मिली तो उन्होंने निर्णय लिया कि वे लंदन जा कर कुछ मैच वहां खेलेंगे और फिर वहाँ से 10,000 रुपये ओर डाल कर वहां से छुट्टियां मनाने के लिए न्यूयॉर्क रवाना हो जाएंगे। और उन्होंने अपनी पत्नियों से भी कह दिया था ग्रुप मैच के बाद वे सभी घूमने निकल जाएंगे और इसिलए सात खिलाड़ियो ने एडवांस में ही लंदन से न्यूयॉर्क की टिकट बुक करवा रखी थी। और फिर श्रीकांत ने बताया कि कैसे एक के बाद एक मैच जीतने के बाद उन्होंने इसे गंभीरता से लिया और एक–एक कर अपनी घूमने की टिकट कैंसिल करवाते गए।

कबीर आगे कहते है,ष्यह अब तक कि सबसे बड़ी अंडरडॉग कहानी में से एक है क्योंकि सभी को यहाँ तक कि खिलाड़ियों को भी यही लगता था कि वे वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते है। वर्ष 1983 से पहले भारत के पास वर्ल्ड कप के इतिहास में एक ही मैच था और वो ईस्ट अफ्रीका के खिलाफ था। और जब मैंने इन सब किस्सो के बारे में बारीकी से सुना तो मुझे लगा कि यह एक शानदार कहानी है।ष यह इस तथ्य को साबित करता है कि किसी को भी टीम द्वारा टूर्नामेंट में इतने अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं थी, यहां तक कि स्वयं भारतीय टीम को भी नहीं थी। लेकिन न केवल टीम इंडिया ने अच्छा प्रदर्शन किया, बल्कि पूरे टूर्नामेंट को जीतने के साथ–साथ क्रिकेट के इतिहास में अपने लिए जगह बनाने में भी कामयाब रही है।

1983 के विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत से पहले, भारत उस समय खेल के क्षेत्र में ग्लोबल मैप के अस्तित्व में भी नहीं था और किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि टीम इंडिया अकेले विश्व कप जीतने के लिए इतना अच्छा परफॉर्म करेगी।फ़िल्म की रिलीज़ के साथ, दर्शकों को एक अद्भुत अनुभव और 'कपिल के डेविल्स' के सफ़र का साक्षी बनाया जाएगा। कबीर खान फिल्म्स प्रोडक्शन की '83 रिलायंस एंटरटेनमेंट और फैंटम फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत है। फिल्म दीपिका पादुकोण, कबीर खान, विष्णु वर्धन इंदुरी, साजिद नाडियाडवाला, फैंटम फिल्म्स, रिलायंस एंटरटेनमेंट और 83 फिल्म लिमिटेड द्वारा निर्मित है। रिलायंस एंटरटेनमेंट और पीवीआर पिक्चर्स की रिलीज़ को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज़ किया जाएगा।

शशि कपूर और जेनिफर की लव स्टोरी रही बेमिसाल

अभिनेत्री जेनिफर केंडल एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो विदेश धरती पर पैदा हुई पर उनका दिल बॉलीवुड के सबसे बड़े रोमांटिक हीरो शशि कपूर से लग गया। दोनों की कहानी आज भी बॉलीवुड की सबसे बेमिसाल लव स्टोरी मानी जाती है। ब्रिटेन के साउथपोर्ट में जन्मीं जेनिफर को पृथ्वी थिएटर का संस्थापक कहा जाता है। जेनिफर को 1981 में आई फिल्म '36 चौरंगी लेन' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के बाफ्टा अवार्ड के लिए नामांकित किया गया था।

शशि कपूर कोलकाता के एक थियेटर में अपना एक प्ले देख रहे थे। वहीं शशि कपूर की मुलाकात जेनिफर केंडल से हुई। शशि कपूर ने देखा कि एक लड़की कई दिनों से लगातार आ रही है और आगे वाली लाइन में बैठकर रोज उनका प्ले देखती है। तब शशि कपूर को पता चला कि जेनिफर केंडल उसी शेक्सपीयाराना इंटरनेशनल के मालिक की बेटी हैं जिसे शशि कपूर के प्ले के चक्कर में लंबा इंतजार करना पड़ रहा था।

इस लड़की देखते ही शशि कपूर के दिल में अजीब सी हलचल हुई। उसमें ना जाने कैसा जादू था कि शशि कपूर उसके दीवाने हो गए और शादी का फैसला कर बैठे।

जेनिफर की छोटी बहन और ब्रिटिश रंगमंच की जानी मानी अदाकारा फैलिसिटी केंडल ने अपनी पुस्तक 'व्हाइट कार्गो' में लिखा है, ष्जेनिफर अपने दोस्त वैंडी के साथ नाटक 'दीवार' देखने रॉयल ओपेरा हाउस गई थी। नाटक शुरू होने से पहले उन्होंने दर्शकों का अंदाजा लगाने के लिए पर्दे से झांका और उनकी नजर चौथी कतार में बैठी एक लड़की पर गई। काली लिबास और सफेद पोल्का डॉट्स पहने वो लड़की खूबसूरत थी और अपनी सहेली के साथ हंस रह थी। शशि के मुताबिक वे उसे देखते ही दिलो–जान से उस पर फिदा हो गए थे। लेकिन तब पृथ्वी थिएटर में काम करने वाले शशि कपूर की कोई बड़ी पहचान नहीं थी, उनकी उम्र महज 18 साल थी। दूसरी तरफ जेनिफ़र अपने पिता जेफ़्री कैंडल के थिएटर समूह की लीड अभिनेत्री थीं।

दोनो की पहली मुलाकात कुछ खास नहीं रही लेकिन वो मुलाकात शशि कपूर के लिए किसी सपने के पूरा होने से कम नहीं थी और फिर धीरे–धीरे दा.ेनों के मिलने का सिलसिला शुरू हो गया।

इसके बाद शशि कपूर और जेनिफर ने शादी कर ली। शशि कपूर और जेनिफर थियेटर बैकग्राउंड से ही थे इसलिए दोनों ने थियेटर खोलने की सोची और पृथ्वी थियेटर की नींव रखी। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पृथ्वी थियेटर की स्थापना के कुछ वक्त बाद ही जेनिफर केंडल शशि कपूर को हमेशा के लिए अकेला छोड़ गईं। जेनिफर को कैंसर था जिसका पता उन्हें 1982 में चला और उसके दो साल बाद ही उनकी मौत हो गई। तब उसे दुखी शशि कपूर ने खुद को सभी से अलग कर लिया था।

सहज और बेमिसाल अभिनेत्री थीं नूतन

अपने जमाने की दिग्गज अभिनेत्री नूतन की पहचान सहज और करिश्माई अभिनय के लिए हमेशा बनी रहेगी। अभिनेत्री नूतन ने अपने अभिनय से रुपहले पर्दे पर जो रंग भरा वो आज भी बेहद गहरा और उसका कोई जवाब नहीं है। मौत के 27 साल बादी भी वो अपनी फ़िल्मों और अपने निभाये गए किरदारों के कारण याद की जाती हैं।

मुंबई में जन्मी नूतन के पिता कुमारसेन समर्थ एक जाने–माने निर्देशक और कवि रहे हैं जबकि उनकी मां शोभना समर्थ एक जानी–मानी अभिनेत्री थीं। ज़ाहिर है परिवार में कला को लेकर एक माहौल उन्हें विरासत में ही मिला। पंचगनी के एक कॉन्वेंट स्कूल से पढ़ाई पूरी करने के बाद वो उच्च शिक्षा के लिए स्विटज़रलैंड चली गईं। जहां तकरीबन एक साल तक रहने के बाद स्वदेश लौटीं। विदेश जाने से पहले वो कुछ फ़िल्में कर चुकी थीं जो कामयाब नहीं हो पायी। केवल 14 साल की उम्र में उन्होंने अपनी मां के निर्देशन में बनी फ़िल्म 'हमारी बेटी' से डेब्यू किया था।

नूतन साल 1952 में मिस इंडिया पीजेंट भी चुनी गयी थीं। नूतन को पहला बड़ा ब्रेक साल 1955 में आई फ़िल्म 'सीमा' में मिला। इस फ़िल्म के लिए उन्होंने पहला फ़िल्मफेयर अवार्ड भी जीता। यहां से उनकी कामयाबी को एक नया आसमान मिला। एक के बाद एक कई फ़िल्में जैसे–'पेईंग गेस्ट', 'अनाड़ी', 'सुजाता' हिट साबित हुईं। वाकई हिंदी सिनेमा को अपनी समर्थ हीरोइन मिल गयी थी।

साल 1963 में आई फ़िल्म 'बंदिनी' भारतीय सिनेमा जगत में अपनी संपूर्णता के लिए सदा याद की जाएगी। बिमल रॉय की 'बंदिनी' नूतन के कैरियर में एक मील की पत्थर की तरह है। इसके अलावा 'छलिया', 'देवी', 'सरस्वतीचंद्र', 'मैं तुलसी तेरे आंगन की', 'सौदागर' जैसी 70 से ज्यादा फ़िल्में करने वाली नूतन अपार कामयाबी पाने के बावजूद सादगी की एक मिसाल रही हैं।

नूतन ने अपने कैरियर के टॉप पर पहुंचने के बाद साल 1959 में नेवी के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से शादी कर ली थी। उनका पुत्र मोहनीश बहल भी अभिनेता है। बहरहाल, शादी ही नहीं बल्कि बेटे के जन्म साल 1961 के बाद भी वो लगातार फ़िल्में करती रहीं।

सीमा', 'सुजाता', बंदिनी', 'मिलन' और 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फ़िल्मफेयर अवार्ड जीत कर नूतन ने साबित कर दिया कि वो अपनी दौर की शीर्ष अभिनेत्री हैं। साल 1985 'मेरी जंग' के लिए उन्होंने फ़िल्मफेयर से श्रेष्ठ सहयोगी अभिनेत्री का अवार्ड भी जीता। पद्मश्री समेत कई सम्मान पाने वाली नूतन को साधना से लेकर स्मिता पाटिल जैसी अभिनेत्रियां अपना रोल मॉडल मानती रही हैं।

उनके फ़िल्मों के अलावा जो गाने उन पर फ़िल्माये गए वह भी यादगार हैं और आज तक गुनगुनाये जाते हैं। 'छोड़ दो आंचल जमाना क्या कहेगा', सावन का महीना', 'चन्दन सा बदन', फूल तुम्हें भेजा है खत में' ये सब गीत सुपरहिट्स में गिने जाते हैं।साल 1990 में नूतन को स्तन कैंसर हो गया। जिसके एक साल बाद ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।

आजकल के अभिनेता बेहद पेशेवर हैं : अजय देवगन

सिंघम जैसी फैल्मों से अपनी विशेष पह.चान बनाने वाले अभिनेता अजय देवगन को नपे–तुले यानी बेहद सीमित शब्दों में जवाब देने के लिए जाता जाता है। बहुत सारी फिल्मों में सिर्फ दोस्ती–यारी की वजह से काम करने वाले अजय कहते हैं कि उनकी परवरिश ऐसी ही हुई है, दोस्ती के कारण अगर किसी फिल्म में काम किया और वह असफल हुई तब भी कोई पछतावा नहीं होता है।

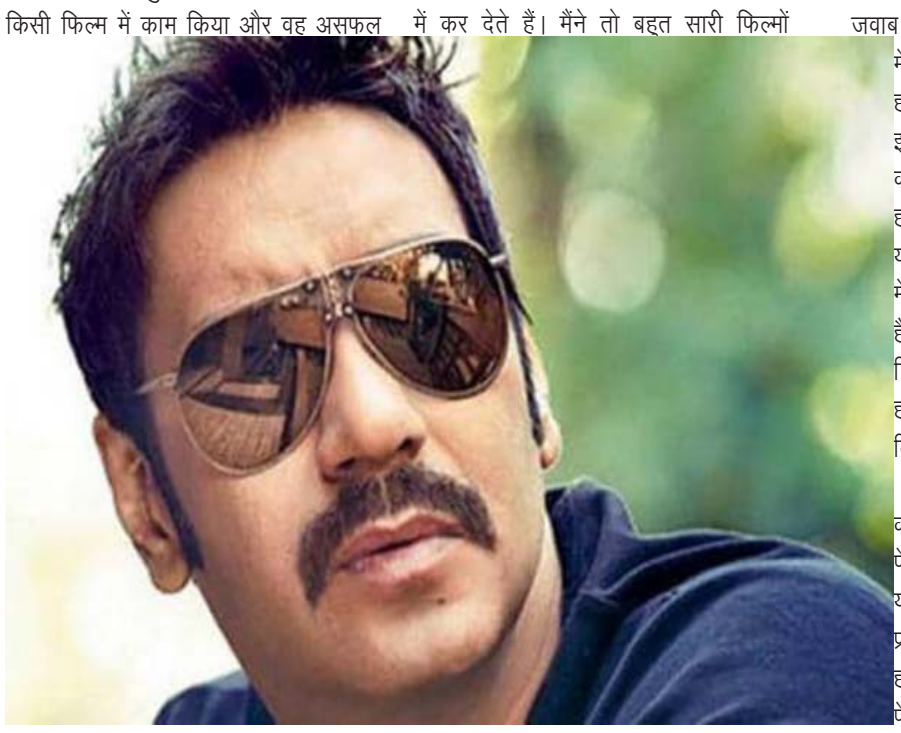

अभिनेता अजय देवगन ने कहा कि नए जमाने के अभिनेता बहुत ज्यादा पेशेवर हैं। वह दोस्ती–यारी में किसी फिल्म में काम नहीं करते हैं, इसमें नुकसान भी है और फायदा भी। अजय अपनी जेनरेशन के ऐक्टर्स के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि उनकी परवरिश और पढ़ाई–लिखाई जिस तरह की हुई है, उस तरह वह कभी भी पेशेवर रुख नहीं अपना सकते हैं।

अजय कहते हैं, 'बहुत बार ऐसा होता है, जब हम लोग कई फिल्में दोस्ती यारी के खाते में कर देते हैं। मैंने तो बहुत सारी फिल्मों में काम सिर्फ दोस्ती–यारी की वजह से की है, हम कई बार सोचते हैं कि दोस्ती–यारी में फिल्म नहीं करेंगे, लेकिन फिर भी हम करते हैं। आज की नई जेनरेशन के ऐक्टर्स ऐसा बिल्कुल भी नहीं करते हैं। आज के सभी अभिनेता बहुत पेशेवर हैं, बहुत ज्यादा सोच–समझ कर काम करते हैं, मुझे लगता है काम करने का यह तरीका बहुत अच्छा हैं।'

दोस्ती–यारी में फिल्म करने के बाद जब वह फिल्म असफल हो जाती है, तब क्या कभी पछतावा करते हैं?

जवाब में अजय कहते हैं, 'मुझे दोस्ती खाते में फिल्म करने के बाद कोई दुख नहीं होता है। अब जब कुछ सोचा था इसलिए किया, मेरे किसी फिल्म में काम करने से किसी का कुछ फायदा हो जाए तो क्या हर्ज है। एक बात यह भी है कि अब मुझे फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए 28 साल हो गए हैं, ऐसे में किसी के लिए कुछ कर दिया तो क्या फर्क पड़ जाएगा। अब हमारा करियर तो खराब होगा नहीं किसी की मदद जरूर हो जाएगी।'

अजय बताते हैं, 'हमारी जेनरेशन के लोग कोशिश जरूर करते हैं पेशेवर ढंग से काम करने की, लेकिन यह संभव नहीं हो पता है। ज्यादा प्रफेशनल होने से नुकसान सबका होता है। आज के अभिनेताओं ने पेशेवर रुख को दोस्ती–यारी से अलग रखा है। यह सोच पेशेवर होने के लिहाज से बहुत अच्छी है, लेकिन हम जैसे पले–बढ़े हैं और जिस तरह व्यवहार करना सीखा है, वह सीख ही ऐसी है, जिसमें किसी को भी देखकर आज भी पिघल जाते हैं।'

हर किरदार में छाये रहे प्राण

अपने जमाने के दिग्गज अभिनेता प्राण का पूरा नाम प्राण कृष्ण सिकंद था और अपने जीवंत अभिनय से उन्होंने ना सिर्फ खलनायक के रोल में लोगों के मन में खौफ पैदा किया बल्कि उन्होंने कई अच्छे किरदार निभाकर वाहवाही भी लूटी। अपने अभिनय से दर्शकों के दिल में उतरने वाले प्राण करियर के शुरुआती दौर में फोटोग्राफर बनना चाहते थे। उन्होंने बकायदा फोटोग्राफी की ट्रेनिंग भी ली थी। मगर एक खूबसूरत इत्तेफाक की बदौलत वे फिल्मों में आए।

एक बार लेखक मोहम्मद वली ने प्राण को एक पान की दुकान पर खड़े देखा, उस समय वह पंजाबी फिल्म 'यमला जट' को बनाने की सोच रहे थे। पहली ही नजर में वली ने यह तय कर लिया कि प्राण उनकी फिल्म में काम करेंगे। उन्होंने प्राण को फिल्म में काम करने के लिए राजी किया। फिल्म 1940 में रिलीज हुई और काफी हिट भी रही।

इसके बाद प्राण ने कुछ और पंज.ाबी फिल्मों में काम किया और एक खलनायक के रूप में खूब नाम कमाया। 1942 में फिल्म निर्माता दलसुख पांचा.ली ने अपनी हिंदी फिल्म 'खानदान' में प्राण को काम करने का मौका दिया।

देश के बंटवारे के बाद प्राण ने लाहौर छोड़ दिया और वे मुंबई आ गए। लाहौर में चाहे प्राण ने काफी नाम कमाया लेकिन उन्हें हिन्दी सिनेमा में पांव जमाने के लिए एक नए कला.कार की तरह संघर्ष करना पड़ा। प्राण को लेखक शहादत हसन मंटो और एक्टर श्याम की सहायता से बॉम्बे टॉकीज की फिल्म 'जिद्दी' में काम मिला।

ह'मुनीमजी', 'जॉनी मेरा नाम' और 'देस परदेस' जैसी फिल्मों में खलनायक के रूप में नजर आए।

सबसे ज्यादा फीस पाने वाले अभिनेता थे

प्राण 1969 से 1982 के बीच वह सबसे ज्यादा फीस पाने वाले अभिनेता थे, यहां तक की उनकी फिल्मों का मेहनताना सुपरस्टार राजेश खन्ना से भी ज्यादा हुआ करता था। प्राण काफी शौकीन आदमी थे। वे स्मोकिंग पाइप और वा.ॅकिंग स्टिक इक्ट्ठा करने का शौक रखते थे।

प्राण ने पहली शूटिंग के दौरान अपने पिताजी को नहीं बताया था की वह फिल्म में काम कर रहे

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जिला प्रशासन कर रहा है जरूरतमंदो की मदद–कलेक्टर

जयपुर । जिला प्रशासन को लॉकडाउन के कारण अपने घरों में रहने को मजबूर, रोज खाने कमाने वालों, श्रमिकों, माइग्रेन्ट्स व अन्य जरूरतमंदों के लिए दोनों समय के भोजन की चुनौती को पूरा करते हुए हुए डेढ माह पूरा हो गया। 23 मार्च को मात्र 1000–1200 फूड पैकेट्स के वितरण से प्रारम्भ हुआ यह सफर अब तक लाखों जरूरतमंदों को फूड पैकेट्स के वितरण के बाद भी अनवरत जारी है।

मुख्यमंत्री के संकल्प ''एक भी व्यक्ति भूखा नहीं सोए'' से प्रेरित जिला प्रशासन, अन्य विभागों के अधिकारी–कर्मचारियों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रयासों से शहर में जब तक लॉकडाउन के कारण एक भी व्यक्ति को भोजन की जरूरत है, यह सिलसिला अनवरत जारी रहेगा। जिला कलक्टर डॉ.जोगाराम ने बताया कि कोविड–19 और इससे जुड़ी चुनौतियां जिला प्रशासन के लिए भी नई थीं, इनमें चिकित्सकीय पहलू के साथ सबसे बड़ी चुनौती हर जरूरतमंद तक भोजन पहुंचाने की थी। पीडीएस और कच्ची राशन सामग्री वितरण के बावजूद तत्काल जरूरतमंदों की मांग का आकलन कर तैयार खाना पहुंचाना सबसे जरूरी और चुनौतीपूर्ण काम था। रोजाना इतनी बड़ी संख्या में फूड पैकेट्स का निर्माण, परिवहन और जरूरतमंद तक वितरण काफी श्रम एवं समय साध्य है। शुरूआत में सबसे पहले नगर निगम के 13 रैन बसेरा स्थलों एवं अक्षय पात्र द्वारा करीब 20 अक्षय कलेवा स्थलों पर तैयार खाने का वितरण प्रारम्भ किया गया लेकिन धीरे–धीरे मांग बढने लगी।

पशुपालको को लाभ पहुंचाने के लिए कदम उठाए–लालचंद

जयपुर । पशुपालन विभाग ने वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान पशुओं को रोगों से बचाने एवं पशुपालकों को राहत पहुंचाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। राज्य में पशु चिकित्सा से जुडी तमाम ईकाईयां पूर्व की तरह यथावत खुली हैं एवं रोगी पशुओं की नियमित चिकित्सा की जा रही है।

पशुपालन मंत्री लाल चन्द कटारिया ने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से कोविड–19 के संक्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुसार पशुओं और पशुपालकों को लाभ पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि लॉक डाउन में 65 प्रकार की औषधियां विभागीय चिकित्सा इकाइयों पर उपलब्ध है जबकि कोरोना संक्रमण से बचने के लिए पशु स्वास्थ्य कर्मियों को मास्क, सेनेटाइजर, साबुन, ग्लब्स उपलब्ध कराए गए हैं।उन्होने बताया कि पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजनान्तर्गत राज्य के सभी जिलों में पशु दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था की हुई है।कटारिया ने बताया कि राज्य की एकमात्र पशु वैक्सीन उत्पादक जैविक ईकाई द्वारा मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए गलघोंटू, फड़किया और लंगड़ा बुखार के 7 लाख टीकों का पशु चिकित्सा सस्थाओं को वितरण किया जा चुका है जबकि अगले सप्ताह तक 15 लाख और टीकों का वितरण कर दिया जाएगा।

प्रभारी मंत्री अपने अपने जिलो में कोविड–19 की समीक्षा करें

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी जिला प्रभारी मंत्रियों को 9 मई को प्रातः 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने–अपने जिलों में कोविड–19 की स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। गहलोत ने कहा है कि प्रभारी मंत्री जिला कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षकों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से लॉकडाउन के तीसरे चरण के बाद की रणनीति, पेयजल के कंटीजेंसी कार्यों तथा मनरेगा में अधिक से अधिक श्रमिकों का नियोजन करने सहित अन्य विषयों पर विस्तृत समीक्षा करें।

संकट की घड़ी में उद्योगों को देंगे संबल–सीएम

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कांफ्रेंस से उद्यमियों से संवाद करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण तथा लॉकडाउन के कारण उद्योगों को हो रही तकलीफ का एहसास सरकार को है। संकट की इस घड़ी में सरकार उद्यमियों के साथ खड़ी है। हम हर प्रयास करेंगे जिससे उद्योगों को संबल मिल सके।

उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण दुनियाभर के निवेशक भारत में संभावनाएं तलाश रहे हैं। ऐसे में उनके लिए राजस्थान बेहतर डेस्टिनेशन बन सकता है। सरकार जल्द टास्क फोर्स गठित कर निवेशकों को उचित वातावरण प्रदान करने का काम आगे बढ़ाएगी। ताकि राज्य में अर्थव्यवस्था जल्द से जल्द पटरी पर लौट सके और श्रमिक रोजगार से जुड सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के कारण राज्य सरकारों के राजस्व पर विपरीत असर पड़ा है। केन्द्र सरकार एक बड़ा आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज दे जिससे राज्यों के हालात सुधरें और उद्योगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका सहित विभिन्न देशों में सरकारों ने आर्थिक पैकेज घोषित किया है। हमने भी केन्द्र से इस पर विचार की मांग की है। गहलोत ने अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह को निर्देश दिए कि अन्तरराज्यीय सीमा सील करने के कारण भिवाड़ी के उद्यमियों एवं श्रमिकों को आवागमन में आ रही बाधाओं को दूर करें। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में औद्योगिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं। उद्यमी इकाइयों में सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उत्पादन गतिविधियां जारी रखें।

झुंझुनूं में किया गया स्क्रीनिंग मॉडल तैयार

झुंझुनूं । राजस्थान में प्रवासी मजदूरों, छात्रों और अन्य राज्यों में फंसे लोगों की लगातार आवाजाही जारी है। ऐसे में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा फिर से बड़ी चुनौती बन सकता है। इसके लिए झुंझुनूं जिला प्रशासन ने एक मॉडल विकसित किया है। एक दिन पहले ही कोरोना मुक्त हुए झुंझुनूं जिले के इस मॉडल को चि. कित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अतिरिक्त निदेशक रोहित कुमार सिंह ने कोरोना वायरस के संक्रमण पर काबू पाने में कारगर बताते हुए अन्य जिलों में भी अपनाने की बात कही है। वर्तमान में झुंझुनूं जिले के कोरोना प्रभारी डॉ. प्रताप दूतड की ओर से दूसरे प्रांतों से आने वालों लोगों की स्क्रिनिंग के लिए तैयार किए गए इस मॉडल में के बारे में एसीएस सिंह ने कहा कि इस मॉडल के अपनाने से बाहर से आने वाले लोगों से ज्यादा खतरा नहीं बढ़ेगा। उनकी बहुत खास तरीके से स्क्रीनिंग हो जाएगी। कोविड 19 को नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी। डॉ. दूतड का यह मॉडल अन्य जिलों में भी अपनाया जाएगा।

राजस्थान में मरने वालों को आंकड़ा पहुंचा 100 तक

जयपुर । राजस्थान में कोरोना वायरस का कहर तेजी से बढ़ता जा रहा है। यहां, कोरोना वायरस से मरने वालों का आंकड़ा 100 तक पहुंच गया है। वहीं, कोरोना पॉजिटिव मामलों की संख्या बढ़कर 3,453 हो गई है। राजस्थान स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। बताया गया कि प्रदेश में अब तक 1903 संक्रमित इस वायरस को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ हो चुके 1523 लोगों को अस्पताल से

डिस्चार्ज किया जा चुका है। इसके अलावा शुक्रवार को प्रदेश में 14 नए केस रिकवर हुए हैं। वहीं, 12 नए मामले सामने आए हैं। बताया गया कि चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा के नया बाजार में 63 साल के व्यक्ति की मौत हो गई है। उसे 3 मई को उदयपुर के एमबीडीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मगर, 6 मई को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दरअसल मरीज को डायबिटीज, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हाइपरटेंशन की शिकायत थी। वहीं, जयपुर के जालूपुरा में रहने वाले 60 साल के व्यक्ति की मौत हुई है। यह व्यक्ति मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला था। इसके अलावा कोटा के मकबरा इलाके के 76 साल के व्यक्ति की भी कोरोना से मौत हुई है। उन्हें न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था, जहां 7 मई को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जोधपुर के नई सड़क के एक 23 साल के युवक की मौत हुई है, जिसे मृत अवस्था में एमजी अस्पताल में लाया गया था। हालांकि यह फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या करने का मामला था, जो बाद में जांच में कोरोना पॉजिटिव पाया गया था।

बता दें कि राज्य में कोरोना पॉजिटिव की संख्या हुई 3,453 हो गई है। प्रदेश के 31 जिलों में कोरोना की दस्तक हो चुकी है। जयपुर में 1117, जोधपुर में 903 पॉजिटिव केस आ चुके हैं। इसमें जोधपुर में ईरान से आए 61 लोग शामिल हैं। कोटा में 231, अजमेर में 189, टोंक में 136, नागौर में 119, भरतपुर में 11 पॉजिटिव मामले आए हैं। चित्तौड़गढ़ में 116, बांसवाड़ा में 66, भीलवाड़ा में 39, झालावाड़ में 47, बीकानेर में 38, जैसलमेर में 35 पॉजिटिव केस आ चुके हैं। पाली में 55, दौसा में 21, उदयपुर में 22 और धौलपुर में 21 पॉजिटिव मामले हैं। वहीं, चूरू में 14, अलवर में 19, हनुमानगढ में 11, सवाई माधोपुर में 9, डूंगरपुर में 9, सीकर में 8, प्रतापगढ़ में 4 और राजसमन्द में 7 पॉजिटिव केस अब तक आ चुके हैं।

दादी की मौत के सदमे में पोता लटका फांसी पर

जोधपुर । जोधपुर में एक युवक ने अपनी दादी की मौत के बाद सदमे में घर में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जब मृतक की कोरोना की जांच करवाई तो वह पॉजिटिव पाया गया। फिलहाल अब युवक का शव सुरक्षित रखवाया गया है। अब कोरोना प्रोटोकॉल के अनुसार उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि जोधपुर के नई सड़क क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने अपने घर के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस युवक के शव की जांच कराने के लिए उसे अस्पताल लेकर गई। वहां डॉक्टर्स ने उसकी कोरोना की जांच करवाने के लिए सैंपल लिया है। जिसमें वह कोरोना संक्रमित पाया गया। बता दें कि जोधपुर में इस युवक समेत अब 16 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि जोधपुर राजस्थान में राजधानी जयपुर के बाद कोरोना का सबसे बड़ा हॉट–स्पॉट है। यहां अब तक 903 पॉजिटिव केस पाए जा चुके हैं। जोधपुर शहर के 9 थाना क्षेत्रों में पूरी तरह से कर्फ्यू लगा हुआ है। वही अन्य 5 थाना क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लगा है।

राजस्थान में गौशालाओं को दिया गया 270 करोड़ रुपए का अनुदान

जयपुर । कोरोनावायरस के बचाव के लिए लागू लॉकडाउन में पशु भी बड़े पैमाने पर प्रभावित हुए हैं। हालांकि सरकारी स्तर पर राहत देने के प्रयास भी जारी हैं। फिलहाल कृषि एवं पशुपालन विभाग द्वारा प्रदेश की कुल 1950 गौशालाओं को पशुओं के भरण–पोषण के लिए 270 करोड़ रुपए का अनुदान स्वीकृत किया गया है। इस राशि में से 100 करोड़ का भुगतान भी कर दिया गया है। यह जानकारी के मंत्री लालचंद कटारिया द्वारा दी गई। लॉकडाउन में 65 प्रकार की औषधियां विभागीय चिकित्सा इकाइयों पर उपलब्ध हैं। गलघोंटू, फड़किया और लंगड़ा बुखार के 7 लाख टीकों का पशु चिकित्सा संस्थाओं को वितरण किया जा चुका है, जबकि अगले सप्ताह तक 15 लाख और टीकों का वितरण किया जाएगा। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ राजेश शर्मा ने बताया कि इस राशि से पशु स्वास्थ्य, नस्ल सुधार, कुक्कुट पालन और ऊंट पालन के लिए प्रोत्साहन कार्य किए जाएंगे। वहीं, अनुसूचित जनजाति विकास के अन्तर्गत प्रदेश में आदिवासी जाति के पशुपालकों के विकास के लिए 12.61 करोड़ के त्रिवर्षीय प्रस्ताव भी तैयार कर आयोजना विभाग को भिजवाए गए है।

भोंपे ने महिला से श्मशान में किया बलात्कार

जयपुर । बाड़मेर के धोरीमन्ना थाना इलाके में पिछले तीन चार महीने से बीमार चल रही महिला को उसके ऊपर भूत का साया हटाने के नाम पर

श्मशान घाट में ले गया और वहां उसने महिला के साथ बलात्कार किया। बलात्कार की रिपोर्ट धोरीमन्ना थाने में महिला ने विस्तार से दर्ज कराई है।

महिला ने पुलिस को बताया कि वह तीन–चार महीने से बीमार चल रही थी परिवारवालों ने उसे एक भोपे के पास जाने को कहा था उसके पास जब वह गई तो उसे एक नारियल लेते हुए घर में रखने व खुद के वहां आने की बात कही गई थी इसके बाद भोपा महिला के घर पहुंचा और परिजनों को बताया कि इस महिला के शरीर में प्रेत आत्मा है. इसके लिए इसे सार्वजनिक नाड़ी व श्मशान घाट में जाकर तंत्र विद्या करनी होगी. वहीं, महिला को उसके पति व जेठ के साथ लेकर पीहर गया. यहां भोपे ने पति व जेठ को सड़क पर गाड़ी सहित खड़ा कर दिया और महिला को दो किलोमीटर पैदल चलाकर श्मशान घाट में ले गया। भोपे ने यहां चाकू की नोक पर महिला के साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया साथ ही, महिला को डराया और धमकाया. घटना के कुछ समय बाद, पीडित महिला का पति व जेठ ढूंढते हुए श्मशान घाट पहुंचे और उसे भोपे के चंगुल से छुड़वाया. इसके बाद मामले की शिकायत धोरीमन्ना पुलिस में की गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी भोपे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

सीमाएं सील करना सरकार का फैसला अमानवीय

जयपुर । पिछले दिन कोरोना संक्रमण के अधिक फैलाव को रोकने के कारण गहलोत सरकार ने प्रदेश की सभी सीमाएं सील कर दी है ।

जिस पर राज्य के करीब 52 जनसंगठनों और यूनियनों ने गहलोत सरकार से राज्य से राज्य की सीमा खोलने की मांग की है कि उनका कहना है कि प्रवासी मजदूरों सहित अन्य को स्क्रीनिंग के बाद गंतव्य स्थानों पर सरकार पहुंचाए इस बारे में जन संगठनों और यूनियनों ने मुख्यमंत्री गहलोत को संयुक्त ज्ञापन भी दिया है।

इन लोगों ने राजस्थान सरकार के सीमा सील करने के निर्णय को निंदनीय और अमानवीय बताया है इनका कहना है कि एक राज्य अपने लोगों को इस प्रकार पराया कैसे कर सकता हैं।

इस संकट के समय में सरकार और प्रशासन का ये कदम अमानवीय है. बच्चे, बड़े, बूढ़े, नवजात और गर्भवती औरतें हजारों किलोमीटर पैदल चलकर आ रहे हैं, राज्य उनके साथ किसी संदिग्ध, अजनबी की तरह व्यवहार कर रहा है।

ऐसी मनमानी करने के बजाय उन्हें लाने– ले जाने का कारगार तरी. का निकाले साथ ही जन संगठनों ने सरकार को कुछ सुझाव भी दिए है। इनका मानना है कि बॉर्डर पर पैदल, या बिना ई–पास के आए व्यक्तियों की स्क्रीनिंग कर बस से अपने जिले में भेज दिया जाए. वहां उनके घरों के करीब, उनके अपने गांव, जिले के स्कूल में क्वारंटीन कर दिया जाए.

अन्य राज्यों के लोग जो राजस्थान की सड़कों पर पैदल चल रहे हैं, रोडवेज की बसों से उन्हें उनके राज्य सीमा तक सीमा तक छोड़ा जाए. सभी पैदल चल रहे लोगों को खाना, पानी और अन्य सुविधाएं तुरंत दी जाएं।

गर्मियों के मौसम में कोई प्यासा नहीं रहे–गहलोत

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांस्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए गर्मी के मौसम में प्रदेश में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से करने और हैण्डपंप एवं नल. कूपों की मरम्मत के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

गहलोत ने 48 घंटे से अधिक समय के अंतराल से पेयजल आपूर्ति वाले क्षेत्रों में यह अंतराल कम करने के लिए कार्य योजना बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि लोगों को पीने का पानी कम से कम 48 घंटे में एक बार मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। गर्मी के मौसम में पानी की जरूरत बढ़ जायेगी ऐसे में निर्बाध पेयजल आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता में है और हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि इन गर्मियों में कोई प्यासा नहीं रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गुणवत्ता पूर्ण पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जरूरत पडने पर टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की तैयारी रखी जाए। हैडपंप एवं ट्यूबवैल की जहां जरूरत हो वहां स्वीकृति जारी की जाए और मरम्मत के कार्य समय पर पूरे कर लिए जाएं। जल संरक्षण के साथ जल संचय पर भी जोर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान काफी संख्या में श्रमिक बेरोजगार हुए हैं। ऐसे में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जल संसाधन एवं ऊर्जा विभाग के तहत चल रही परियोजनाओं में इन्हें नरेगा के तहत काम दिये जाने की संभावनाएं तलाशी जाएं। गहलोत ने कहा कि पेयजल आपूर्ति सुचारू बनाये रखने के लिए जिला कलक्टर एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव के स्तर पर साप्ताहिक एवं राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए।

लोगों को रोजगार मिलेगा तभी अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटेगी–पायलट

जयपुर । देश के साथ राजस्थान में भी कोरोना संक्रमणित लोगों की संख्या तीन हजार के पार पहुंच गई है जबकि लॉकडाउन के 3 फेस में पहुंचने के कारण देश प्रदेश दोनो जगह व्यापारिक सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक सभी गतिविधियों पर लॉकडाउन के ब्रेक लगे है ऐसे में तीसरे फेस में गहलोत सरकार ने कई क्षेत्रों को लॉकडाउन की समय सीमा सुबह 7 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक खोलने की कुछ को व्यापारिक औद्योगिक चलाने की अनुमति जरूर दी है साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में भी मनरेगा में सोशल डिस्टेन्सिंग के साथ काम करवाने के लिए ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग ने मंजूरी दी है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और पंचायतीराज मंत्री सचिन पायलट ने प्रदेश और देश

की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के साथ मजदूर वर्ग को राहत के लिए सुझाव देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सोशल डिस्टेन्सिंग की शर्तो के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की वजह से मनरेगा में अब तक करीब 17 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है उन्होने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ होगी तो निश्चित रूप से प्रदेश के औद्योगिक व्यापारिक सभी संस्थानों को गति मिलेगी। उन्होने कहा कि सामाजिक दूरी का प्रावधान लागू कर कृषि सम्बंधी सभी गतिविधियों को खोलना चाहिए इसके अलावा हमें ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों एसएचजी, और सहकारी समितियों को आसान वित्त पोषण प्रदान करना चाहिए ताकि अर्थचक्र कोविड–19 को हराने के लिए लागू किया गया लॉकडाउन में एक जगह स्थिर हो गया है उसे गति मिल सके।

यूआईटी कार्य कलापों को पटरी पर लाने की कवायद शुरू

जयपुर । कोरोना लॉकडाउन के बाद उपजे हालातों के बारे में फीडबैक लेकर प्राधिकरण और यूआईटी के कार्य कलापों को फिर से पटरी पर लाने की कवायद शुरू हो गई है। विभिन्न शहरों में निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्य को केन्द्र की गाइडलाइन के अनुसार शुरू करने के प्रयास किए जा रहे है लेकिन अब श्रमिकों का रोडा मुसीबत बनता नजर आ रहा है।

नगरीय विभाग प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत जयपुर, जोधपुर, अजमेर विकास प्राधिकरण और समस्त नगर सुधार न्यासों के अधिकारियों से वीसी के जरिए फीडबैक लेंगे कि फिर से पटरी पर लाने की दिशा में किस तरह से कार्य शुरू किया जाए। इस दौरान राजस्व प्राप्ति के लक्ष्यों सीएम, जन आवास योजना के लक्ष्यों, सीएम जन आवास योजना, अर्फोरडेबल हाउसिंब स्कीम्स लीज राशि की वसूली तथा बेटरमेंट लेवी और नीलामी राशि जमा करवाने पर चर्चा प्रस्तावित की गई है। हालांकि कई तरह की रियायतें भी दी जा चुकी है लेकिन उसके बाद भी अभी विकास की रफ्तार आगे नहीं बढ पा रही है।

शाले मोहम्मद ने सहकारी समिति केन्द्र का निरीक्षण किया

जयपुर । अल्पसंख्यक मामलात,वक्फ एवं जन अभियोग निराकरण मंत्री शाले मोहम्मद ने जैसलमेर के मदासर ग्राम सेवा सहकारी समिति खरीद मित्र केन्द्र का औचक निरीक्षण कर वहां पर समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही सरसों व चना फसल के बारे में विस्तार से जानकारी ली। यह खरीफ केन्द्र गुरुवार को मंत्री शाले मोहम्मद की मौजूदगी में आरंभ हुआ।

अल्पसंख्यक मामलात मंत्री ने इस अवसर पर बताया कि नाचना क्षेत्र में भारेवाला और मदासर को खरीद मित्र के केन्द्र के रूप में स्वीकृत किया गया हैं ताकि किसान कोविड–19 के तहत नजदीक के क्षेत्र में खरीद केन्द्र पर समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकें। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की तारीफ की और कहा कि मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में सराहनीय निर्णय किए हैं। मोहम्मद ने इस दौरान चर्चा करते हुए बताया कि जिले में राजफैड के माध्यम से सहकारी समितियों द्वारा सरसों व चने की खरीद समर्थन मूल्य पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में 13 संचालित केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर इन फसलों की खरीद की जा रही हैं जिसमें 10 क्रय–विक्रय सहकारी समिति एवं 03 ग्राम सहकारी समितियाँ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अधिकतम प्रति किसान 40 क्विंटल फसल की खरीद समर्थन मूल्य पर क्रय कर रही है।

बिना ई–पास के नहीं हो सकेगा अन्तरराज्यीय आवागमन–गुप्ता

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर मुख्य सचिव डीबी गुप्ता ने राज्य में अनाधिकृत व्यक्तियों के आवागमन को रोकने के संबंध में जिला कलक्टरों एवं अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में अनाधिकृत व्यक्तियों के आवागमन को रोकने के लिए अन्तर्राज्यीय सीमाओं को सील कर दिया गया है। अब बिना ई–पास के कोई व्यक्ति अन्तर्राज्यीय आवागमन नहीं कर सकेगा। सिर्फ मेडिकल इम. रजेंसी तथा मृत्यु के मामलों में जिला कलक्टर ई–पास जारी कर सकेंगे।

गुप्ता ने बताया कि राज्य से बाहर की यात्रा के लिए भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप पात्रता पूरी करने वाले व्यक्ति को जिला कलक्टर की अनुशंसा पर गृह विभाग के स्तर पर अनुमति जारी की जाएगी। इसके अलावा राज्य सरकार की ई–एनओसी के उपरान्त ही दूसरे राज्य से राजस्थान आने वालों के लिए परमिट जारी किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने कहा कि चूंकि लॉकडाउन लागू होने के कारण प्रदेश में फंसे ऐसे श्रमिक जो शिविरों में रह रहे थे, उन्हें उनके गृह राज्यों में भेजा जा चुका है। इसलिए प्रदेश में ट्रांजिट शिविरों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। केन्द्र की गाइडलाइन के अनुरूप जो श्रमिक अन्य राज्यों से आए हैं, उन्हें आवश्यक रूप से 14 दिन क्वारेंटाइन में रहना होगा। जिला कलक्टर सुनिश्चित करें कि इन निर्देशों की हर हाल में पालना हो। बॉर्डर पर प्रवासी श्रमिकों के आगमन के साथ ही उनके मेडिकल चैकअप तथा उसकी सूचना संबंधित जिले को दें ताकि सभी प्रवासी श्रमिकों का क्वारेंटाइन सुनिश्चित किया जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहानी सच्ची है आयुष विभाग की ए एन एम सरस्वती कुशवाहा की सेवा एवं जज्बे को सलाम

उमरिया। कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग का सभी अमला अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दे रहा हैं, चाहे वे चिकित्सक हो, टेक्नीशियन हो, नर्स हो या ए एन एम सहित सफाई मित्र, ड्रायवर सहित अस्पताल एवं मैदानी क्षेत्रों में सेवा देने वाले अन्य सेवक। जिलें में आयुष विभाग में पदस्थ ए एन एम सरस्वती कुशवाहा का समर्पण खास है। सरस्वती के गर्भ काल का आठवाँ महीना होने के वावजूद वे घर में आराम करने की जगह लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह व्दारा जन सामान्य की प्रतिरोधक क्षमता बढाने हेतु आयुष विभाग के माध्यम से संचालित जीवन अमृत योजना के तहत पैकेट तैयार करना, उनका वितरण कराना तथा लोगों को त्रिकटु चूर्ण तैयार करने एवं उपयोग हेतु जागरूक करने का कार्य कर रहीं हैं, उनके साथ उनकी साथी निधी खरे तथा किरण कोरी भी अपनी सेवाएं देने के साथ ही उनका ख्याल रखती हैं।

ए एन एम सरस्वती कुशवाहा का कहना है कि आज पूरा विश्व कोरोना महामारी की चपेट में है, जरूरत है समाज के हर व्यक्ति को एक दूसरे के मदद की। हमारे देश में सरकार, शासकीय अमला , मीडिया, समाज सेवी लोग सेवाएं देने में जुटे हुए है, प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने आयुष विभाग को जीवन अमृत योजना के संचालन की जिम्मेदारी दी है, मैं भी आवश्यकता को देखते हुए जन सेवा का अवसर नहीं गंवाना चाहतीं। वर्तमान में अवकाश के दिनों में भी अपने साथियों के साथ सेवा देने से सुख एवं संतोष की अनुभूति होती है, स्टाफ के साथी तथा वरिष्ठ अधिकारी एवं चिकित्सक ध्यान रखते हैं तथा प्रोत्साहित करते हैं।

मुख्यमंत्री चौहान के अथक प्रयासों से सवा लाख श्रमिक अपने घर लौटे

औरंगाबाद दुर्घटना में मृतकों के परिवारों को 5–5 लाख की आर्थिक सहायता घोषित

जल संसाधन मंत्री ने शोक व्यक्त किया

होशंगाबाद ।.मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश के श्रमिकों की वापसी के प्रयासों के चलते अब तक एक लाख 25 हजार श्रमिकों की घर वापसी संभव हुई है। इससे श्रमिकों और उनके परिजनों के चेहरों पर रौनक नज़र आ रही है।

मुख्यमंत्री चौहान के निर्देशन में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट अन्य राज्यों में फंसे प्रदेश के श्रमिकों को रेलों और बसों से उनकी घर वापसी के भागीरथ प्रयासों में जुटे हुए हैं। अब तक महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, दिल्ली और गुजरात सहित अन्य राज्यों के एक लाख से अधिक श्रमिकों की वापसी हो सकी है।

जल संसाधन मंत्री सिलावट द्वारा गुजरात से 37 हजार तथा राजस्थान से 36 हजार श्रमिकों की वापसी कराई गई है। अन्य राज्यों से वहां फंसे मध्यप्रदेश के श्रमिकों को उनके घर पहुँचाने के लिये रेलवे से 22 ट्रेनों की मांग की गई है, जिससे महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से श्रमिकों को मध्यप्रदेश वापस लाया जा सके। श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिये 4 श्रमिक स्पेशल ट्रेन भी चलाई जा रही है। मंत्री सिलावट ने औरंगाबाद रेल हादसे में श्रमिकों की मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा मृतकों के परिजनों को 5–5 लाख रूपये की सहायता की घोषणा की गई है और घटना में घायल श्रमिकों के इलाज के लिये महाराष्ट्र सरकार से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

सिलावट ने बताया कि अगले हफ्ते दूसरे राज्यों में फंसे मजदूरों को लाने के लिये वृहद प्रबंध किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश होगी कि हर जिले में एक ट्रेन आए। सबसे ज्यादा ट्रेनें गुजरात से आएंगी। जम्मू–कश्मीर में रह रहे 600 छात्रों को लाने के लिये भी आवश्यक व्यवस्था की गई है।

श्रम सुधारों पर शिवराज सरकार का बड़ा ऐलान...

मप्र में अब कारखानों में 12 घंटे की पाली –श्रमिकों को मिलेगा ओवर टाइम का पैसा

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को श्रम सुधारों का ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश में अब दुकानें खुलने की समय सीमा सुबह छह बजे से रात बारह बजे तक होगी। यह अभी सुबह आठ से रात दस बजे तक थी। इस संशोधन से जहां रोजगार के अवसर बढ़ेंगे वहीं, दुकानों में भीड़ भी नहीं लगेगी। कारखानों और कार्यालयों में काम कराने की पाली 8 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे की गई है। सप्ताह में 72 घंटे तक कार्य कराए जाने की अनुमति होगी। हालांकि, इसके लिए ओवर टाइम देना होगा। उत्पादकता बढ़ाने के लिए उद्यमी सुविधा अनुसार पाली में भी बदलाव कर सकते हैं। इसमें कारोबारी और उद्योगपतियों को सहूलियत देने के साथ–साथ श्रमिकों को रोजगार देने के लिए 1000 दिन की कार्ययोजना तक शामिल की गई है।

61 रजिस्टर और 13 रिटर्न का प्रावधान खत्म

कारखानों की कार्य प्रक्रिया को सरल करने के लिए 61 रजिस्टर और तेरह रिटर्न दाखिल करने के प्रावधान को समाप्त कर दिया है। 50 से कम श्रमिक वाले संस्थानों को निरीक्षण से मुक्त कर दिया है। इससे कुटीर एवं छोटे उद्योगों को फायदा होगा। ट्रेड यूनियन और कारखाना प्रबंधन के बीच विवादों का निराकरण अब सुविधा अनुसार अपने स्तर पर ही किया जा सकेगा। इसके लिए लेबर कोर्ट जाने की जरूरत नहीं होगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग अपनी आवश्यकता से श्रमिक रख सकेंगे। 50 से कम श्रमिक लगाने वाले ठेकेदारों को पंजीयन कराने की जरूरत नहीं होगी। इसके बिना भी वे काम कर सकेंगे।

अब एक दिन में होगा पंजीयन

बीड़ी उद्योग, कारखाना, दुकान सहित अन्य क्षेत्रों में काम करने के लिए पंजीयन अब एक दिन में ही होगा। अभी तक इसके लिए लोक सेवा गारंटी कानून में 30 दिन की अवधि निर्धारित थी। पंजीयन के लिए किसी सरकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रहेगी। फैक्टरी लाइसेंस का नवीनीकरण एक साल में कराने की बाध्यता को भी समाप्त कर दिया है। अब नवीनीकरण 10 साल में एक बार होगा। स्टार्टअप उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें सिर्फ एक बार रजिस्ट्रेशन कराना होगा। नवीनीकरण के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है।

इंस्पेक्टर राज को खत्म करने के कदम

नई योजना के तहत सरकार ने कारखानों से लालफीताशाही और इंस्पेक्टर राज को खत्म करने के कदम उठाए हैं। अब बिना वजह किसी फैक्ट्री का इंस्पेक्शन नहीं होगा। कारखानों में जो श्रमिक हैं उनकी शिफ्ट बढ़ाने और सप्ताह में 72 घंटे तक के ओवरटाइम देने की मंजूरी मालिकों को दी गई है। हालांकि इसके एवज में फैक्ट्री मालिक को कर्मचारियों को ओवरटाइम के हिसाब से भुगतान भी करना होगा। छोटे–मोटे दुकानदारों के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार दुकानें खोलने की समय सीमा को बढ़ा दिया है। अब सरकार जिन इलाकों में दुकानें खोलने की मंजूरी देगी वहां दुकानें सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक खुल सकेंगी।

श्रम कानून में संशोधन की प्रमुख बातें

– फैक्ट्री लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस अब एक दिन में मिलेगा, एक दिन में रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ तो अधिकारी पर जुर्माना लगेगा

– कारखाना लाइसेंस रिन्यूअल अब हर साल के बजाए 10 साल में होगा

– कॉन्ट्रेक्ट लेबर एक्ट कब तहत कैलेंडर वर्ष की जगह अब लाइसेंस पूरे ठेका अवधि के लिए मिलेगा

– नए कारखानों के रजिस्ट्रेशन अब पूरी तरह ऑनलाइन होंगे

– किसी भी स्टार्ट अप उद्योग को एक बार ही रजिस्ट्रेशन कराना होगा

– कारखानों में काम करने की शिफ्ट 8 के बजाए 12 घंटे हो सकेगी

– एक हफ्ते में 72 घंटे ओवर टाइम करा सकेंगे फैक्ट्री मालिक, ओवर टाइम का भुगतान मजदूरों को करना होगा

– कारखानों में अब एक ही रजिस्टर रखना होगा और एक ही रिटर्न भरना होगा–

– इंस्पेक्टर राज खत्म करने के लिए एम्प्लॉयर खुद थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन करा सकेगा

– प्रदेश में दुकानें खुलने का समय सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक होगा

मुख्यमंत्री चौहान ने दूसरे राज्यों में फंसे मध्यप्रदेश के मजदूरों से की अपील

मजदूर भाई चिंता न करें उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करेंगे

धैर्य रखें, पैदल न चलें, कंट्रोल रूम से संपर्क करें

होशंगाबाद (। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दूसरे प्रदेशों में फंसे मध्यप्रदेश के मजदूरों से अपील की है कि वे चिंता न करें। उनकी मध्यप्रदेश सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाएगी। वे धैर्य रखें, पैदल न चलें तथा प्रदेश के कंट्रोल रूम पर संपर्क कर अपनी जानकारी दें। हम आपको प्रदेश वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने बताया कि विभिन्न प्रदेशों में फंसे मध्यप्रदेश के एक लाख 25 हज़ार मजदूरों को प्रदेश वापस लाया गया है। उन्हें लाने के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। ग्यारह ट्रेन मजदूरों को लेकर मध्यप्रदेश आ गई हैं, कल 10 ट्रेन आ जाएंगी तथा अन्य 40 ट्रेनें भी तैयार हैं। वे निर्धारित कार्यक्रमानुसार विभिन्न प्रदेशों से मजदूरों को लेकर मध्यप्रदेश आएंगी। मजदूरों को आने का कोई किराया नहीं चुकाना है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रेल का किराया भारत सरकार को दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि अन्य प्रांतों में फंसे मजदूर भाई हमारे कंट्रोल रूम 0755–2411180 पर सूचना दें तथा रजिस्ट्रेशन कराएं और इंतजार करें। शीघ्र ही आपको मध्य प्रदेश वापस लाने की व्यवस्था की जाएगी।

कूटनीति के षणयंत्र से जेल में हुआ वीडियो वायरल का खेल

– दो महिला प्रहरी सस्पेंड ओर जेलर भोपाल अटेच,जेल में चर्चा हो निष्पक्ष जांच

गुना । उप जेल गुना में बंदी महिलाओं के साथ महिला प्रहरियों द्वारा मारपीट की घटना की चर्चा बनी और उसके चलते गुना में डीआईजी जेल आये और जांच के पूर्व निश्कर्ष पर पहुंच यहां पदस्थ जेलर को भोपाल जेल के लिए रवानगी दे दी गई, वही जेल का प्रभार यहां पदस्थ अंशुल गर्ग को सौंपा दिया गया है। इस घटना को लेकर चर्चा यह भी है कि यह सब एक षड्यंत्र के चलते हुआ है जिसमें मामला जेल प्रभारी की कुर्सी का है। जिसमें राजनीतिक, प्रशासनिक और कथित पत्रकार का सहारा लिया गया। जिसमें न्यूज़ प्रोजेक्ट वर्क के आधार पर जेल प्रमुख को गुमराह किया गया और वह हो गया जो चाहा जा रहा था।

अधूरा पता, गलत फोन नंबर लिखा रहे कोरोना संदिग्ध मरीजों को खोजने में आ रही भारी दिक्कतें

भोपाल । राजधानी के अस्पतालों में सैंपल लेने के दौरान कुछ संदिग्ध मरीज अधूरा पता और गलत फोन नंबर लिखा रहे हैं। ऐसे में पाजीटीव पाए जाने वाले मरीजों को ढूंढने में भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। बीते तीन दिन के भीतर पॉजिटिव मिले 106 मरीजों में 41 का पता अधूरा है। पता की जगह सिर्फ भोपाल, मंगलवारा, जहांगीराबाद, टीला जमालपुरा लिखा है। इनमें करीब आधे के फोन नंबर भी गलत लिखे हैं। ऐसे में पॉजिटिव आने पर जब उन्हें खोजने के लिए पुलिस–प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पहुंचते हैं तो वह मिलते ही नहीं हैं। ऐसे में सबसे बड़ा खतरा इनसे दूसरों को संक्रमण फैलने का है। पॉजिटिव आने पर मरीज को भर्ती करा दिया जाता है, जबकि उसके संपर्क में आए लोगों को क्वारंटाइन कराया जाता है। मरीज के नहीं मिलने पर यह काम नहीं हो पाता। सैंपल लेने के दौरान दो फार्म भरने होते हैं। इसमें संदिग्ध की बीमारी का ब्यौरा और पूरा पता रहता है। सैंपल ज्यादा होने की वजह से अब फार्म भरने में जल्दबाजी हो रही है। संदिग्ध ने जितना पता लिखा दिया उतना ही लिख लिया जाता है। कई बार तो फार्म भरने का काम संदिग्ध को ही सौंप दिया जा रहा है। वही अपनी बीमारी का ब्यौरा भी भर रहे हैं। बुधवार को रोशनपुरा का एक युवक कोरोना संक्रमित मिला। उसका पता सिर्फ रोशनपुरा लिखा था। फोन नंबर भी गलत लिखा था। पुलिस–प्रशासन की टीम बुधवार शाम को करीब चार घंटे तक बस्ती में उसके बारे में पूछताछ करती रही। वहां के लोगों ने बताया कि वह महीने भर पहले वहां से जा चुके हैं। अब स्वास्थ्य महकमे को इस बात की चिंता है कि इस युवक को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया तो यह कई लोगों को संक्रमित कर देगा। जहांगीराबाद के रहने वाले 92 साल के छम्मालाल का 4 मई को हमीदिया अस्पताल में सैंपल लिया गया था। सैंपल लेते वक्त कर्मचारियों ने पता के नाम पर सिर्फ जहांगीराबाद लिख दिया। फोन नंबर भी गलत लिखा। परिजन ने कहा कि सैंपलिंग के लिए ओपीडी का जो पर्चा बनवाया था उसमें सभी जानकारी सही थी। पॉजिटिव आने के बाद छम्मालाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी मौत के बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार भी करा दिया, लेकिन पता व फोन नंबर सही नहीं होने से परिजन को नहीं खोज पाए। इस बारे में भोपाल के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी का कहना है ?कि लोग सही पता और फोन नबंर नहीं लिखा रहे हैं। ऐसे में पॉजिटिव आने के बाद उन्हें खोजने में परेशानी आती है।

मप्र में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने शुरु हुई कोशिश

चीन से आने वाली अमरीकी कंपनियों के लिए बनेगी अलग नीति

भोपाल । मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने की कोशिशें प्रदेश की शिवराज सरकार ने शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में कल प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों ने अमेरिका की बड़ी कंपनियों के उच्च अधिकारियों से वेबिनार के माध्यम से बात की। अधिकरियों को भरोसा दिलाया गया कि जो कंपनी चीन से पलायन करके मध्य प्रदेश में अपनी इकाई स्थापित करेगी, उनके लिए अलग नीति बनाई जाएगी। इतना ही नहीं, उनके ?लिए विशेष पैकेज भी दिया जाएगा। अमेरिका की जो कंपनियां प्रदेश आना चाहती है, उनको भी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान अमेरिका की कंपनियों के अधिकारियों ने भी प्रदेश में निवेश को लेकर मन बनाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने श्रम कानूनों के तहत नए निवेश पर पहले एक हजार दिन में दी जाने वाली छूट के कदम को भी सराहा। कोरोना संकट की वजह से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई है। इसे फिर से खड़ा करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना संकट को अवसर के तौर पर देखते हुए अधिकारियों को अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए हैं। इसके मद्देनजर वाणिज्यिक कर विभाग के अपर मुख्य सचिव आईसीपी केशरी और उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव डॉ.राजेश राजौरा ने यूएस–इंडिया स्ट्रेटजी पार्टनरशिप फोरम के माध्यम से पेप्सी, केटरपिलर, क्युमिंस, वेरियन मेडिकल, नाइकी, वालमार्ट सहित अन्य कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। इस दौरान प्रमुख सचिव डॉ.राजौरा ने कंपनियों के अधिकारियों को बताया कि मध्य प्रदेश में उद्योगों के अनुकूल माहौल है। भविष्य में जो भी अमेरिका की कंपनियां विश्व के किसी भी भाग से भारत आना चाहती है तो मध्य प्रदेश उनको जरूरत के मुताबिक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। जो उद्योग चीन से पलायन करके मध्य प्रदेश में अपनी इकाइयां स्थापित करेंगे, उनके लिए शासन अलग नीति बनाएगा। इसके साथ ही विशेष पैकेज भी दिया जाएगा। इस पर काम चल रहा है। अपर मुख्य सचिव आईसीपी केशरी ने कहा कि प्रत्येक अमेरिका की कंपनी प्रदेश में है, उसे पूरा सहयोग दिया जाएगा। औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध संचालक विवेक पोरवाल ने बताया कि मध्य प्रदेश में व्यापार करने की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। इसके लिए हमने कई कदम उठाए हैं। चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली का वितरण भी निगम के माध्यम से ही किया जाता है।

मुरैना खाते में पैसा आते ही गदगद हुई महिलाएं, सरकार को किया धन्यवाद

भोपाल कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया सागर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण,दिए आवश्यक निर्देश

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्तीपुर में भूमि विवाद को लेकर किया एसिड अटैक

मस्तीपुर । बिहार के समस्तीपुर में भूमि विवाद को लेकर एक बार फिर से एसिड अटैक का मामला सामने आया है। बताया गया कि दलसिंहसराय थाना इलाके के केवटा गांव में घर बनाने को लेकर दो सगे भाइयों के बीच विवाद शुरू हुआ और यह विवाद इतना बढ़ गया कि लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए। देखते ही देखते एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष पर एसिड से हमला कर दिया गया। इस एसिड अटैक में नौ से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए। इसके बाद आनन–फानन में सभी को दलसिंहसराय अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां चार की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंच कर जांच में जुट गई है।

इस मामले में पीड़ित पक्ष ने बताया कि वर्ष 2007 में विवादित जमीन का बंटवारा हो गया था लेकिन आरोपी पक्ष द्वारा उस बंटवारा को नहीं माना गया जिसके बाद फिर पंचायत स्तर पर फैसला हुआ बावजूद विशन देव राय द्वारा उस फैसले को नहीं माना गया और विवाद इसको लेकर चल रहा था। इस संबंध में डीएसपी कुंदन कुमार ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल चार लोगों गिरफ्तार किया गया और अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

राहुल गांधी के बयान पर बवाल, भाजपा ने कहा नासमझी में दिया बयान

पटना । लॉकडाउन में कोरोना प्रभावित जिलों और स्थानों को रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन में बांटने के अधिकार के सवाल पर राजनीति शुरू हो चुकी है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता राहुल गांधी के शुक्रवार को दिए बयान को बीजेपी ने नासमझी में दिया बयान करार दिया है। दरअसल राहुल गांधी ने बताया था कि जोन में बांटने का अधिकार राज्यों को दे देना चाहिए। राहुल ने कहा था कि हमें एक ताकतवर प्रधानमंत्री की जगह पर ताकतवर मुख्यमंत्री, डीएम बनाने की जरूरत है। इससे कोरोना को राज्यों में ही खत्म किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो जोन बांटे हैं उसमें राज्यों से बात नहीं की। इसकारण जो जोन रेड थे वह ग्रीन जोन में चले गए,इसकारण राज्यों की दिक्कत और बढ़ गई है।

राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी ने हमला करते हुए इस बयान को नासमझ करार दिया। बीजेपी नेता और बिहार के कृषि मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि राहुल गांधी अपनी नासमझी वाले बयानों के कारण हंसी के पात्र बन जाते हैं। बिहार सरकार ने फैसला लेते हुए बिहार में कोई ग्रीन जोन नहीं रखने का फैसला लिया है। इसके बाद ये कहना कि राज्यों को अधिकार नहीं है, नासमझी के अलावा कुछ नहीं।

जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि राहुल गांधी को राजनीति करने के बजाए मिलकर कोरोना से लड़ने में क्षमता लगानी चाहिए। राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी के हमले के बाद बिहार कांग्रेस बचाव में उतर आई है। कांग्रेस नेता प्रेमचन्द्र मिश्रा ने कहा कि सत्ता में बैठकर एनडीए के नेता सिर्फ अनर्गल बयानबाजी करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि राज्यों को ज्यादा अधिकार देना चाहिए। मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार सिर्फ राज्यों पर नियम थोपती है। राज्यों को अधिकार देने से कोरोना से ज्यादा मजबूती से लड़ा जा सकता है।

बिहार के बाहर शिफ्ट नहीं होगा रेलवे प्रशिक्षण संस्थान

पटना । बिहार के जमालपुर में मौजूद रेलवे प्रशिक्षण संस्थान को बिहार से लखनऊ स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। इस फैसले के बाद बिहार सरकार में मंत्री संजय झा ने ट्वीट कर रेल मंत्रालय को ध न्यवाद कहा है।

इससे पहले इस मामले में पिछले दो दिनों से जारी विवाद के बाद रेल मंत्रालय ने ट्वीट कर सफाई दी है। चुनावी साल में भारतीय रेल के प्रशिक्षण संस्थान ईरिमी(प्त्प्डम्म्) के शिफ्ट होने की बात जैसे ही खबरों में आयी थी विपक्षी दलों ने राज्य और केंद्र सरकार पर हमला बोल दिया था। हालांकि राज्य के उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने खबरों को भ्रामक बताया था लेकिन जदयू नेता संजय झा ने मामले को लेकर ट्वीट कर सख्त प्रतिक्रिया जताई थी।

गुरुवार को रेल मंत्रालय की तरफ से इस मुद्दे पर कहा गया,ष्रेल मंत्रालय स्पष्ट करता है कि बिहार के जमालपुर से भारतीय रेल के प्रशिक्षण संस्थान को लखनऊ स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। इस आशय का कोई भी दावा गलत और भ्रामक है और इसके लिए रेल मंत्रालय की मंजूरी नहीं है।ष

रेल मंत्रालय की तरफ से आए सफाई के बाद बिहार सरकार में मंत्री संजय झा ने ट्वीट कर रेल मंत्रालय को धन्यवाद कहा है।संजय झा ने ट्वीट कर कहा ,ष्हम इस उन्होंने लिखा कि प्रतिष्ठित ईरिमी को जमालपुर, मुंगेर से स्थानांतरित नहीं किया जाएगा स्पष्ट करने के लिए रेल मंत्रालय का धन्यवाद। बिहार सरकार संस्था को और अधि ाक फलने–फूलने के लिए अपना सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूरा परिवार सोता रहा, जेवरात ले उड़े चोर

बिलासपुर (ईएमएस)। पूरा परिवार घर में सोता रह गया और दूसरे कमरे से चोर जेवरात लेकर फरार हो गए। रतनपुर थाना क्षेत्र के बेलतरा नेवसा निवासी देव कुमार कश्यप के पुत्र किशन कश्यप का विवाह होना है इसलिए देव कुमार ने अपनी बहू के लिए जेवर खरीद कर घर में रखा हुआ था। बुधवार रात को पूरा परिवार खाना खाकर अपने–अपने कमरों में सोया हुआ था। इसी दौरान वह कमरा सुना था जहां पेटी और अलमारी में जेवर रखे हुए थे। रात को जब देव कुमार की नींद खुली और वह पेशाब करने उठा तो उसने देखा कि उसके घर के कमरे का ताला टूटा हुआ है। घबराकर सभी उस कमरे में पहुंचे तो पाया कि कमरे में रखे पेटी और अलमारी के भी ताले टूटे हुए हैं और उसमें रखे जेवर और नगदी चोरी हो चुकी है।

चोर अपने साथ टांगिया और कुदरी लेकर आए थे जिसके सहारे उन्होंने ताला तोड़ा था लेकिन भागते वक्त वह घर में ही टंगिया और कुदरी छोड़कर भागे थे । अज्ञात चोरों ने 2 नग सोने का झुमका, 2 नग सोने का टॉप्स 7 नग सोने का लॉकेट 4 नग सोने का मनलची लोकेट, 4 नग चांदी का पायल, 2 नग चांदी का लच्छा 8 नग चांदी की अंगूठी और 5,000 रु नगद रुपए अपने साथ ले गए। इन सामानों की कुल कीमत 2 लाख रुपये के आसपास है

इसकी शिकायत देव कुमार कश्यप ने रतनपुर थाने में दर्ज कराई है। इध ार ग्रामीणों ने बताया कि बीती रात गांव में उन्होंने किसी अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति को देखा था तो वहीं पुलिस का अंदेशा है कि चोरी के पीछे किसी जानकार का भी हाथ हो सकता है जिसे पहले से ही पता है कि देव कुमार कश्यप ने अपने घर में महंगे जेवरात रखे हुए हैं । फिलहाल गांव में हुई बड़ी चोरी के मामले में पुलिस चोरों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

मृतक प्रवासियों के परिवार को 50 लाख की सहायता दे सरकार : जीतू पटवारी

भोपाल(ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने महाराष्ट्र में आज हुई दुर्घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, कि सरकार मृतक प्रवासियों के परिवार को 50 लाख की सहायता दे। कोरोना महामारी की पीड़ा की घड़ी में हम सब जनता से साथ हैं और अपने प्रदेश के नागरिकों की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयत्न कर रहे हैं।

प्रवासी श्रमिकों को ले जाने वाली ट्रेन पर लगी ब्रेक, आज केवल 5 ट्रेन जाएंगी

सूरत (ईएमएस)द्य सरकार ने सूरत से प्रवासी श्रमिकों को ले जाने वाली ट्रेन पर रोक लगा दी हैद्य उडीसा सरकार द्वारा श्रमिकों को उड़ीसा भेजने से मना करने के बाद यह फैसला किया गया हैद्य बिहार सरकार द्वारा भी मंजूरी नहीं देने के कारण आज सूरत से केवल 5 ट्रेन उत्तर प्रदेश के श्रमिकों को लेकर रवाना होंगीद्य कोरोना वायरस के चलते देशभर में लॉकडाउन है और विभिन्न राज्यों में फंसे लाखों प्रवासी श्रमिक अपने गृह राज्य जाना चाहते हैंद्य पिछले 6 दिनों के दौरान उडीसा, बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के हजारों को श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजा जा चुका हैद्य पिछले 6 दिनों में सूरत से प्रवासी श्रमिकों को लेकर 54 ट्रेन रवाना हो चुकी हैद्य लेकिन अब उडीसा हाईकोर्ट के आदेश पर उडीसा सरकार ने श्रमिकों को राज्य में वापस लौटने की दी गई मंजूरी रद्द कर दी हैद्य जिसकी वजह से सूरत से उड़ीसा की ओर जानेवाले ट्रेनों को रद्द कर दिया गया हैद्य अब अगले आदेश तक सूरत से उड़ीसा के लिए कोई ट्रेन नहीं जाएगीद्य सूरत में बड़ी संख्या में उड़ीसा के लोग रहते हैं और उन्हें गृह राज्य भेजने के लिए सभी की सूची भी तैयार कर ली गई थीद्य जब तक उडीसा सरकार से मंजूरी मिल रही थी, तब वहां के श्रमिकों को ट्रेन के जरिए भेजा रहा थाद्य लेकिन अब उड़ीसा सरकार द्वारा मंजूरी रद्द किए जाने के बाद प्रवासी श्रमिकों अपने गृह राज्य में वापसी फिलहाल टल गई हैद्य मंजूरी रद्द होने से प्रवासी श्रमिकों के सड़कों पर उतरने की संभ. ावनाओं को देखते हुए सूरत में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया हैद्य हांलाकि आज उत्तर प्रदेश के श्रमिकों को लेकर पांच

शराब दुकानें खोलने की हड़बड़ी में सरकार भूल गई नाजुक वक्तः डॉ. रमन

राजनांदगांव, । पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह अपने एक दिवसीय दौरे पर राजनांदगांव पहुंचे और भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में भूपेश बघेल सरकार की खामियों पर जमकर निशाना साधा और प्रशासनिक कसावट में हुई ढील पर चुटकी भी ली। पत्रकार वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष मधुसूदन यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता लीलाराम भोजवानी, खूबचंद पारख, संतोष अग्रवाल, सचिन बघेल, शोभा सोनी सहित भाजपा के प्रमुख नेता उपस्थित थे। पत्रकारवार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शराब दुकानों को खोलने की हड़बड़ी में सरकार करोना संक्रमण के नाजुक दौर को ही भूल गई और आनन–फनन में शराब की दुकानें खुलवा कर सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई गई। डा. सिंह ने कहा कि लॉक डाउन में छत्तीसगढ़ के साथ–साथ राजनांदगांव की जनता ने पूरी ईमानदारी के साथ 40 दिनों तक घर पर रहकर शांति कायम की, और कोरोना संक्रमण की महामारी में बाहर निकलकर वंचित गरीबों की मदद करने में अपनी सैनिक की भूमिका भी निभाई। उन्होंने जनता का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जनता ने तो सोशल डिस्टेंसिंग का फर्ज निभाया, परंतु सरकार ने 40 दिन बाद शराब दुकान खोलकर जो अव्यवस्था और बदहाल स्थिति की निर्मित की और धारा 144 की धज्जियां उड़ाई गई जिसके चलते जनता की 40 दिनों की तपस्या 1 दिन में भंग हो गई। डा. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाओं में

शराब दुकानों के खुलने पर आक्रोश है, परंतु सरकार ने जो उदाहरण पेश किया है उसे ऐसा लगता है कि उसके लिए राजस्व से बढ़कर कुछ भी नहीं है। डा. सिंह ने कहा कि एक और जहां कोरोना वायरस के चलते पूरा देश सहमा हुआ है और इसकी चपेट में आने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, ऐसे समय में शराब दुकानों के खुलने से कई लोग संक्रमित हो सकते हैं और हजारों की जान जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर मामले में फेल होते नजर आ रही है।

ससुर की हत्या का फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बिलासपुर दुकानदाट का कांटामारी 85 में से 8 किलो काटा मार रहा था संचालक

भिलाई, (ईएमएस)। पीडीएस राशन दुकान में जहां शासन हर परिवार को सरकारी तौर पर सस्ते में चावल उपलब्ध करा रहे हैं।

गरीबों को फ्री में चावल दे रहे हैं। उन गरीबों के चावल पर भी पीडीएस दुकान संचालक डाका डाल रहे हैं। ऐसा ही एक मामला आज जामुल थाना क्षेत्र में आया है। कुरूद के उचित मूल्य की दुकान में लोगों को काटा मार कर चावल दिया जा रहा था। 10 किलो में एक किलो काटा मारकर चालव दे रहे थी। जिसकी शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस थाने लाई और इलेक्ट्रानिक तराजू की जांच कराई। तब प्रमाणित हुआ कि दुकान संचालक विजग गुप्ता प्रति 10 किलो में 1 किलो काटा मार रहा था। आरोपी पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है और तराजू जप्त कर ली गई है।

। शराब के नशे में अपने ससुर की जान लेने और साले को जख्मी करने वाले दामाद को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

ज्ञात हो कि तखतपुर क्षेत्र के कुवा गांव में बुधवार को एक व्यक्ति ने शराब के नशे में अपने ससुराल पहुंचकर पहले विवाद किया और फिर अपने ही ससुर पर चाकू से जानलेवा हमला कर मौत के घाट उतार दिया।

घटना के बाद से दमाद फरार था जिसे तखतपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया,तखतपुर थाना के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुवा में दिनदहाड़े दमाद ने अपने ही ससुर पर चाकू से वारकर हत्या कर दिया साथ

दुकानदाट का कांटामारी 85 में से 8 किलो काटा मार रहा था संचालक

भिलाई, । पीडीएस राशन दुकान में जहां शासन हर परिवार को सरकारी तौर पर सस्ते में चावल उपलब्ध करा रहे हैं। गरीबों को फ्री में चावल दे रहे हैं। उन गरीबों के चावल पर भी पीडीएस दुकान संचालक डाका डाल रहे हैं। ऐसा ही एक मामला आज जामुल थ. ाना क्षेत्र में आया है। कुरूद के उचित मूल्य की दुकान में लोगों को काटा मार कर चावल दिया जा रहा था। 10 किलो में एक किलो काटा मारकर चालव दे रहे थी। जिसकी शिकायत के बाद आरोपी

को गिरफ्तार कर पुलिस थाने लाई और इलेक्ट्रानिक तराजू की जांच कराई। तब प्रमाणित हुआ कि दुकान संचालक विजग गुप्ता प्रति 10 किलो में 1 किलो काटा मार रहा था। आरोपी पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है और तराजू जप्त कर ली गई है।

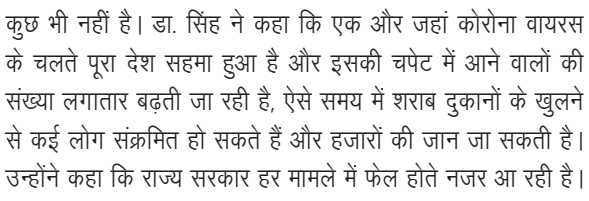

सुपौल में राजद नेता पर की गई अंधाधुंध फायरिंग

सुपौल । बिहार के सुपौल में अपराधियों ने राजद नेता पर जानलेवा हमला किया है। इस हमले में राजद नेता के भांजी की मौत और राजद नेता बुरी तरह से जख्मी हैं। इस घटना के बारे में बताया जाता है कि बीरपुर थाना इलाके के बनेलिपट्टी के रहने वाले पूर्व पैक्स अध्यक्ष और राजद के सक्रिय नेता गणेश यादव देर रात अपने घर बनेलिपट्टी लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना के दौरान उनके साथ उनका भ. ांजा प्रमोद यादव भी साथ में था जिसकी गोली लगने से मौत हो गई वहीं राजद नेता गणेश यादव को भी 2–3 गोलियां लगी हैं। फिलहाल उनको बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है जहां गंभीर स्थिति में उनका इलाज जारी है। इस घटना को पुलिस आपसी रंजिश से भी जोड़ कर देख रही है।

छपरा जंक्शन पर उड़ी सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

छपरा । छपरा में स्पेशल ट्रेन के 1250 यात्रियों को लेकर जंक्शन पहुंचने पर सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ गईं। दरअसल यात्रियों को बस पर बैठाने की उचित व्यवस्था नहीं करने के कारण बड़ी संख्या में लोग एक जगह एकत्र हो गए। जिसके कारण ये सब देखा गया। हालांकि बाद में डीएम और एसपी ने स्थिति को काबू में किया और लोगों को तुरंत बसों में बैठाकर गंतव्य के लिए रवाना किया। इस दौरान डीएम और एसपी स्वयं लोगों को बस में बैठाते दिखाई पड़े। डीएम ने तुरंत तमाम अफसरों लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने का निर्देश दिया जिसके बाद वे सभी लोगों को अलग–थलग करने में जुट गए हैं। गौरतलब है कि कोरोना से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग को बड़ा हथियार माना जा रहा है। हालांकि तमाम यात्रियों को जंक्शन पहुंचने पर ही सैनिटाइज किया गया, फिर उनकी थर्मल स्क्रीनिंग की गई और फिर अलग–अलग बसों से उन्हें अलग–अलग जिलों में भेजा गया। इन बसों की व्यवस्था का जिम्मा

परिवहन विभाग को सौंपा गया था, लेकिन वहां कुव्यवस्था हावी हो गई और अचानक बड़ी संख्या में लोग सर्कुलेटिंग एरिया में पहुंच गए जिससे भीड़ लग गयी। हालांकि स्थिति को देखते हुए डीएम और एसपी स्वयं मौके पर पहुंचे और लोगों को उनके बसों में बैठाकर अलग–अलग जिलों में रवाना किया। साथ ही डीएम सुब्रत कुमार सेन ने सभी अधिकारियों को ऐसी स्थिति से बचने का निर्देश दे दिया।

आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने वाला गिरफ्तार

दुर्ग, । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ टिकटॉक विडियों में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने वाले युवक नमन सिंह राजपूत को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पुलिस द्वारा न्यायालय में पेश किया गया। इस दौरान अधिवक्ता प्रीतम देशमुख, अशोक धोटे व सौरभ ताम्रकार द्वारा आरोपी की जमानत याचिका पर आपत्ति भी लगाई गई। मालूम हो कि आरोपी नमन सिंह राजपूत ने अपने आपको भाजपा कार्यकर्त्ता बताते हुए सोशल मिडिया पर मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था। जिसे प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग ने गंभीरता से लिया था। फलस्वरुप कांग्रेस विधि विभाग प्रदेशाध्यक्ष संदीप दुबे के निर्देश पर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाकर गिरफ्तारी की मांग की गई थी। जिस आधार पर मामले में पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ धारा 294, 504 व 505 के तहत जुर्म दर्ज किया गया था। पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। आरोपी के विरुद्ध कुरुद व बेरला में भी शिकायत दर्ज करवाई गई है।

कोरोना पॉजिटिव महिला के पति पर एफआईआर दर्ज

भिलाई, । भिलाई की कोरोना पॉजिटिव पाई गई महिला के पति के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दुर्ग के एसएसपी अजय कुमार यादव ने इसकी पुष्टि की है। वहीं सुपेला थाने के टीआई गोपाल व्यास ने बताया कि महिला महाराष्ट्र में शादी में शरीक होने के लिए गई थी। उसे लेने के लिए उसका पति भी गया था। लेकिन उसने सिर्फ अपनी पत्नी के महाराष्ट्र जानो और वहां से लौट आने की जानकारी दी। टीआई ने बताया जब महिला के पति की कॉल डिटेल खंगाली तो पता चला कि वह भी नागपुर गया हुआ था। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह महाराष्ट्र गया था। लेकिन उसने सिर्फ पत्नी के महाराष्ट्र जाने की बात बताई। उसे डर था कि कहीं पत्नी की तरह वह भी 14 दिन के लिए क्वारंटाइन न हो जाए। इसके बाद वह शहर में घूमा भी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रवासी श्रमिकों को ले जाने वाली ट्रेन पर लगी ब्रेक, आज केवल 5 ट्रेन जाएंगी

सूरत । सरकार ने सूरत से प्रवासी श्रमिकों को ले जाने वाली ट्रेन पर रोक लगा दी हैद्य उडीसा सरकार द्वारा श्रमिकों को उड़ीसा भेजने से मना करने के बाद यह फैसला किया गया है। बिहार सरकार द्वारा भी मंजूरी नहीं देने के कारण आज सूरत से केवल 5 ट्रेन उत्तर प्रदेश के श्रमिकों को लेकर रवाना होंगी। कोरोना वायरस के चलते देशभर में लॉकडाउन है और विभिन्न राज्यों में फंसे लाखों प्रवासी श्रमिक

अपने गृह राज्य जाना चाहते हैं। पिछले 6 दिनों के दौरान उडीसा, बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के हजारों को श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजा जा चुका हैद्य पिछले 6 दिनों में सूरत से प्रवासी श्रमिकों को लेकर 54 ट्रेन रवाना हो चुकी है। लेकिन अब उडीसा हाईकोर्ट के आदेश पर उडीसा सरकार ने श्रमिकों को राज्य में वापस लौटने की दी गई मंजूरी रद्द कर दी है। जिसकी वजह से सूरत से उड़ीसा की ओर जानेवाले ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। अब अगले आदेश तक सूरत से उड़ीसा के लिए कोई ट्रेन नहीं जाएगी। सूरत में बड़ी संख्या में उड़ीसा के लोग रहते हैं और उन्हें गृह राज्य भेजने के लिए सभी की सूची भी तैयार कर ली गई थी। जब तक उडीसा सरकार से मंजूरी मिल रही थी, तब वहां के श्रमिकों को ट्रेन के जरिए भेजा रहा था। लेकिन अब उड़ीसा सरकार द्वारा मंजूरी रद्द किए जाने के बाद प्रवासी श्रमिकों अपने गृह राज्य में वापसी फिलहाल टल गई है। मंजूरी रद्द होने से प्रवासी श्रमिकों के सड़कों पर उतरने की संभावनाओं को देखते हुए सूरत में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। हांलाकि आज उत्तर प्रदेश के श्रमिकों को लेकर पांच ट्रेन रवाना होंगी। जिसमें से एक ट्रेन के प्रवासी श्रमिकों के किराए का खर्च कांग्रेस वहन करेगी। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश के अयोध्या जाएगी।

शाहपुर में पुलिस पर पथराव, पुलिस ने 5 अश्रूगैस के गोले छोड़े

अहमदाबाद शहर के शाहपुर इलाके में लोकडाउन का अमल करा रही पुलिस पर स्थानीय लोगों ने जमकर पथराव कियाद्य पथराव में कई पुलिस कर्मी जख्मी हो गए। पुलिस ने भीड पर अश्रूगैस के छोड़कर परिस्थिति पर काबू पाया।

अहमदाबाद शहर में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 269 पोजिटिव केस दर्ज हुए है जबकि 15 मरिज स्वस्थ होकर घर वापिस लौटे हैद्य इसके साथ ही अहमदाबाद में कोरोना के कुल मरिजों की संख्या 5260 हो चुकी है और 343 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1001 मरिज डिस्चार्ज हुए। लगातार कोरोना के केस बढने के कारण शहर भर में 15 मई संपूर्ण लोकडाउन की घोषणा की गई है। इस दौरान शाहपुर इलाके में लोकडाउन का अमल कराने गई पुलिस पर स्थानीय लोगों ने पथराव शुरु कर दिया। पुलिस उच्चाधिकारियों की टीम घटनास्थल पहुंच गई। पुलिस नेभीड पर काबू करने के लिए 5 अश्रूगैस के गोले दागे और लाठीचार्ज कियाद्य सूत्रों के मुताबिक शाहपुर इलाके में राजाजी की पोल और नागोरीवाड में लोकडाउन के बीच रमजान मास के दौरान लोग बाहर निकलने पर पुलिस व स्थानीय लोगों के घर्षण हुआ। पुलिस ने लोगों को समझाकर घर में जाने को कहा परंतु लोगों ने गुस्से में पुलिस पर चिल्लाना शुरु कर दिया। देखते ही देखते स्थानीय लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पथराव की घटना में शाहपुर के पीआई आर.के.अमीन समेत 4 पुलिस कर्मी जख्मी हो गएद्य घटना की जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच की उच्चाधिकारियों की टीम घटनास्थल पहुंच गई और अश्रूगैस के गोले दागकर और लाठीचार्ज कर परिस्थिति पर काबू पा लिया। पुलिस ने पथराव करनेवालों की खोजबीन कर गिरफ्तार करने कार्रवाई तेज कर दी है और कुछ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गुजरात में नहीं थम रहा कोरोना का कहर, 390 नए केस, 24 मरीजों की मौत अहमदाबाद में अब तक कोरोना के कुल 5260 केस, 343 मरीजों की मौत, 1001 ठीक हुए

अहमदाबाद । शहर समेत गुजरातभर में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना के 390 नए केस सामने आए हैं और 24 मरीजों की मौत हो गईद्य इस दौरान 163 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि गुजरात में बीते 24 घंटों में कोरोना के 390 केस सामने आए हैं। जिसमें अहमदाबाद में 269, वडोदरा में 25, सूरत में 25, भावनगर में 1, आणंद में 1, गांधीनगर में 9, पंचमहल में 6, बनासकांठा में 8, बोटाद में 3, गिर सोमनाथ में 1, खेडा में 7, जामनगर में 7, साबरकांठा में 7, अरवल्ली में 20 और महीसागर जिले में 1 केस दर्ज हुआ है। 24 घंटों में अहमदाबाद में 22, भावनगर 1 और सूरत में 1 समेत राज्य में कोरोना से 24 लोगों की मौत हुई है। वहीं अहमदाबाद में 115, आणंद में 3, बनासकांठा में 3, भावनगर में 2, बोटाद में 3, छोटाउदेपुर में 1, नवसारी में 1, पाटन में 2, सूरत में 24, तापी में 1, वलसाड में 1 और वडोदरा में 7 समेत कुल 163 लोग ठीक हो चुके हैंद्य जिसमें 97 पुरुष और 66 महिलाएं शामिल हैंद्य उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 105387 टेस्ट किए गए। जिसमें 97984 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव और 7403 की पॉजिटिव आई हैद्य राज्य में कुल 77798 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 72046 लोग होम कोरन्टाइन, 5417 सरकारी कोरन्टाइन और 335 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। राज्यभर में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या 7403 पर पहुंच गई हैद्य जिसमें 449 मरीजों की मौत हो चुकी है और 1872 लोग ठीक हो चुके हैं। कुल 7403 केसों में सबसे अधिक मामले में अहमदाबाद में हैं। अहमदाबाद में कोरोना के अब तक 5260 केस दर्ज हो चुके हैं और 343 मरीजों की मौत और 1001 ठीक हो चुके हैं। वहीं वडोदरा में 465, सूरत में 824, राजकोट में 64, भावनगर में 84, आणंद में 77, भरुच में 27, गांधीनगर में 97, पाटन में 24, पंचमहल में 57, बनासकांठा में 75, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 14, कच्छ में 4, मेहसाणा में 42, बोटाद में 51, पोरबंदर में 3, दाहोद में 19, गिर सोमनाथ में 4, खेडा में 27, जामनगर में 16, मोरबी में 1, साबरकांठा में 17, अरवल्ली में 67, महीसागर में 43, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 1, देवभूमि द्वारका में 4, जूनागढ़ में 2 और अन्य राज्य का एक केस है।

महात्मा गांधीजी की पौत्रवधु शिवालक्ष्मी का निधन

सूरत । महात्मा गांधी की पौत्रवधु शिवालक्ष्मी का सूरत के पिपलोद के अस्पताल में गुरुवार की रात को निधन हो गयाद्य गांधीजी के तीसरे नंबर के पुत्र कनुभाई की पत्नी शिवालक्ष्मी पिछले काफी समय से

बीमार चल रही थीं। कनुभाई शिवालक्ष्मी के साथ सूरत में रहते थे। लेकिन कनुभाई के निधन के बाद शिवालक्ष्मी सूरत के भीमराड गांव में रहने लगीं। कनुभाई और शिवालक्ष्मी के कोई संतान नहीं होने से कनुभाई के परिवार के सदस्य उनकी सेवा करते थे। ढाई महीने पहले घर में बैठते वक्त शिवालक्ष्मी का पैर फैक्चर होने के बाद उन्हें महावीर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के बाद वह ठीक हो गई थीं। हांलाकि उसके बाद उनकी खुराक कम हो गई और तबियत नादुरस्त रहने लगी। एक सप्ताह पहले शिवालक्ष्मी के बेहोश होने पर उन्हें पिपलोद के ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां सात दिनों तक आईसीयू में उपचाराधीन रहीं। जहां गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे शिवालक्ष्मी ने दुनिया को अलविदा कर दियाद्य अस्पताल से शिवालक्ष्मी के पार्थिव देह को भीमराड लाया गया। भीमराड के लोगों ने शिवालक्ष्मी का अंतिम संस्कार उमरगाम में करने का फैसला किया है।

राजस्थान सरकार ने सीमा सील की, रतनपुर बोर्ड पर सैंकड़ों लोग फंसे

अहमदाबाद। राजस्थान सरकार के अचानक राज्य में प्रवेश पर रोक लगाने से गुजरात की रतनपुर बोर्डर पर बड़ी संख्या में राजस्थान के फंस गए हैं।

पुलिस का कहना है कि राजस्थ. ान सरकार ने 6 मई के बाद पास धारक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए 25 मार्च से समूचा देश लॉकडाउन है और लोग अपने अपने घरों में कैद होकर रह गए हैं।

इसमें सबसे विकट परिस्थित उन लोगों की है जो अपना घरबार छोड़कर अन्य राज्यों

में रोजी–रोटी कम गुजरात से 4 लाख से ज्यादा प्रवासी श्रमिक अपने गृह राज्य पहुंचे

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य लॉकडाउन के बीच गुजरात के 4 लाख से ज्यादा प्रवासी श्रमिकों को ट्रेन, सरकारी और निजी बसों के उनके गृह राज्य पहुंचाया गया हैद्य गुजरात सरकार ने भारत सरकार के साथ परामर्श कर प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने के लिए खास ट्रेन शुरू की हैद्य मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि अब तक विशेष ट्रेन के जरिए 1.21 लाख, बसों के जरिए 55 हजार और राज्य के विभिन्न जिलों में निजी वाहनों और निजी बसों द्वारा 1.67 लाख जितने तथा सूरत महानगर से निजी वाहनों के जरिए 1.14 लाख जितने प्रवासी श्रमिकों को गृह राज्य पहुंचाया गयाद्य उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भारत सरकार के साथ परामर्श कर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत अन्य राज्यों के श्रमिकों के लिए 2 मई से विशेष ट्रेन शुरू करवाई हैंद्य 2 मई से 6 मई तक 67 विशेष ट्रेनें गुजरात से विभिन्न राज्यों में रवाना हुई

गुजरात से 4 लाख से ज्यादा प्रवासी श्रमिक अपने गृह राज्य पहुंचे

अहमदाबाद लॉकडाउन के बीच गुजरात के 4 लाख से ज्यादा प्रवासी श्रमिकों को ट्रेन, सरकारी और निजी बसों के उनके गृह राज्य पहुंचाया गया है।

गुजरात सरकार ने भारत सरकार के साथ परामर्श कर प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने के लिए खास ट्रेन शुरू की है।

मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि अब तक विशेष ट्रेन के जरिए 1.21 लाख, बसों के जरिए 55 हजार और राज्य के विभिन्न जिलों में निजी वाहनों और निजी बसों द्वारा 1.67 लाख जितने तथा सूरत महानगर से निजी वाहनों के जरिए 1.14 लाख जितने प्रवासी श्रमिकों को गृह राज्य पहुंचाया गयाद्य उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भारत सरकार के साथ परामर्श कर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत अन्य राज्यों के श्रमिकों के लिए 2 मई से विशेष ट्रेन शुरू करवाई हैं। 2 मई से 6 मई तक 67 विशेष ट्रेनें गुजरात से विभिन्न राज्यों में रवाना हुई हैंद्य जिसमें उत्तर प्रदेश के लिए 39, उड़ीसा के लिए 13, बिहार के लिए 13 और झारखंड के लिए 2 ट्रेनें रवाना हुईं।

प्रत्येक ट्रेन में 1200 जितने श्रमिकों को सोशल डिस्टसिंग नोर्म्स के पालन के साथ गुजरात से रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि 7 मई को 34 विशेष ट्रेन गुजरात से रवाना हुईंद्य जिसमें उत्तर प्रदेश की 20, बिहार की 4, झारखंड की 2, उड़ीसा की 5, मध्य प्रदेश की और छत्तीसगढ़ के लिए 1 ट्रेन रवाना हुई। येट्रेनें गुजरात के अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, मोरबी, मे. हसाणा, गोधरा, जामनगर, जूनागढ़ इत्यादि से रवाना की गईं।

ट्रेनों के जरिए 1.21 प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य पहुंचायागयाद्य लॉकडाउन के चलते अन्य राज्यों में फंसे गुजरात के करीब 29540 प्रवासी और विद्यार्थियों को भी अन्य राज्यों से संकलन कर राज्य में वापस लाया गया है।

जिसमें महाराष्ट्र से 15523, राजस्थान से 4252, उत्तर प्रदेश से 1412, मध्य प्रदेश से 1590, कर्नाटक से1138 समेत दिल्ली, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना से लाए गए गुजरात के लोग शामिल हैं।

सावली में कोरोना प्रथम केस दर्ज, जिला व शहर में कुल केस 477

वडोदरा । जिले के सावली में कोरोना वायरस का प्रथम केस दर्ज हुआ है। सावली के 37 वर्षीय युवा को कोरोना पोजिटव दर्ज हुआ हैद्य युवा सावली शाक मार्केट इलाके में संक्रमित होने का खुलासा हुआ हैद्य सावली के जन्मोत्री इलाके में युवा का कोरोना सेम्पल लिया गयाद्य

वडोदरा जिला व शहर में कोरोना वायरस के कइ इलाकों में कोरोना वायरस के केस लगातारबढ रहे हैद्य आज सावली तहसील के माता भागोल इलाके में कोरोना का केस दर्ज हुआ है। इसके साथ ही अब तक कोरोना के 477 केस दर्ज हुए है। वडोदरा शहर व जिले में लगातार बढ रहे कोरोना केस के चलते सब्जी मार्केट समेत सोशियल डिस्टन्सिंग जैसे कदम उठाने के लिए प्रशासन ने 4 महत्वपूर्ण निर्णय लिए है।

आज कोरोना वायरस के सुपर स्पैडर सब्जि विक्रेताओं नजदिकी हेल्थ सेन्टर में स्क्रिनिंग किया और जरूरत पड़ने पर उनका कोरोना वायरस का सेम्पल भी लिया गयाद्य स्क्रिनिंग के दौरान डायाबिटीश, हाईपरटेन्शन, किडनी की बिमारी, सांस की बिमारी को हाईरिस्क मानकर 85 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को सब्जि बेचने की मंजूरी रद करने और होम कोरोन्टाइन किया जाएगा

वहीं दूसरी ओर सब्जी मार्केट के हेल्थ कार्ड इस सेन्टर पर रखा जाएगा

सब्जी विक्रेताओं को तीन तीन दिनों के अंतराल पर हेल्थ सेन्टर में आकर स्क्रिनिग किया जाएगा और नही कराने पर उनकी मंजूरी रद्द की जाएगी

चीन छोड़ने वाली कंपनियों के लिए

चीन छोड़ने वाली कंपनियों के लिए गुजरात सरकार ने बिछाया लाल कालीन

अहमदाबाद । भारत समेत दुनियाभर में हाहाकार मचा रहे कोरोना वायरस का जनक चीन को माना जा रहा है और विश्वभर के देश चीन से नाराज हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए कई देशों की कंपनियां चीन छोड़ना चाहती हैं और ऐसी कंपनियों के लिए भारत में उचित माहौल उपलब्ध कराने का केन्द्र सरकार ने आदेश दिया है। गुजरात सरकार ने चीन छोड़ने वाली कंपनियों के लिए गुजरात में लाल कालीन बिछाने की तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री विजय रूपाण ी ने कहा कि लॉकडाउन के बीच आर्थिक गतिविधियां बढ़ें और बेरोजगारी कम होने केसाथ नए उद्योग तेजीसे शुरू हों इसके लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। इसके अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति 1200 दिन काम का प्रोजेक्ट लेकर आता है तो उसे लेबर कानून से मुक्ति दी जाएगीद्य लेकिन मजदूरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 3 मामलों में कोई छूट नहीं मिलेगी। पहला न्यूनतम वेतन अधिनियम यानी श्रमिकों को न्यूनतम वेतन मिले, दूसरा सुरक्षा नियमों में कोई छूट नहीं और तीसरा श्रमिक दुर्घटना का शिकार होता है तो उसे पूरा मुआवजा देना होगाद्य इसके अलावा कोई फैक्ट्री को मजदूर कानून के नियम लागू नहीं होंगेद्य कोई भी कंपनी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने पर सरकार तुरंत उसे मंजूरी देगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुरानी कंपनियों को मजदूर कानून में कोई छूट नहीं मिलेगीहैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)